संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

■ वर्ष -17 ■ अंक-144 ■ रायपुर, गुरुवार 22 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : एकादशी
नक्षत्र : शतभिषा
प्रथम करण : विष्टि
द्वितीय करण : बावा
पक्ष : शुक्ल
वार : गुरुवार
योग : वृद्धि
सूर्योदय : 06:30
सूर्यास्त : 17:40
चंद्रमा : कुंभ राशि में
राहुकाल : 13:29 - 14:53
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : आश्विन
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:43 - 12:27

राहुल गांधी के बयान पर भड़कीं स्मृति ईरानी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ज़ुबिन ईरानी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में की गई टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने महिलाओं के प्रति राहुल गांधी के रवैये पर सवाल उठाए और उन पर अपमानजनक बयान देने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया पर गांधी की हालिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, ईरानी ने आरोप लगाया कि महिलाओं के प्रति उनका बर्ताव कैसा है, यह उस घटना से साफ हो जाता है जब उन्होंने वर्दी पहनी हुई एक महिला पुलिस अधिकारी के साथ बुरा बर्ताव किया था। उन्होंने यह भी सवाल किया कि जब राहुल गांधी खुद बार-बार इस तरह के बयान देते हैं, तो महिलाओं से उनकी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया क्यों मांगी जा रही है?

भाजपा नेता ने कहा कि समाज की यह ज़िम्मेदारी है कि वह ऐसे लोगों को खारिज करे, जिनकी महिलाओं के प्रति सोच उनकी नज़र में दकियानूसी है। ईरानी ने कहा कि अगर राहुल गांधी की महिलाओं के प्रति ऐसी दकियानूसी सोच है, तो ऐसे व्यक्ति को किनारे करना हमारा कर्तव्य है।



मुख्यमंत्री ने अर्बन चैलेंज फंड एवं अर्बन इन्वेस्ट विंडो पर आयोजित प्रथम क्षेत्रीय कार्यशाला का किया शुभारंभ

नगरीय निकाय भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार करें विकास परियोजनाएं : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में हमारे शहरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शहर केवल आवास और नागरिक सुविधाओं के केंद्र नहीं हैं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों, उद्योग, व्यापार, रोजगार और नवाचार के प्रमुख आधार भी हैं। इसलिए छत्तीसगढ़ के शहरों का विकास वर्तमान आवश्यकताओं तक सीमित न रहकर आने वाले दशकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सुनियोजित, समावेशी, टिकाऊ और आर्थिक रूप से सक्षम होना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित मेफेयर लेक रिजॉर्ट में आवास एवं शहरी विकास निगम (हुडको) और छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अर्बन चैलेंज फंड (UCF) एवं अर्बन इन्वेस्ट विंडो (UiWIN) विषयक प्रथम क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारंभ कर संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में शहरी विकास को नई सोच और नई गति मिली है। अर्बन चैलेंज फंड जैसे अभिनव प्रयास शहरों को आधुनिक, सुविधासंपन्न, आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का बड़ा अवसर हैं। छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों को इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाते हुए ऐसी गुणवत्तापूर्ण परियोजनाएं तैयार करनी होंगी, जो नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के साथ शहरों की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करें।

'नगरीय विकास को मजबूती देने दो महत्वपूर्ण एमओयू'

कार्यशाला के दौरान प्रदेश के नगरीय विकास, वित्तीय संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और नगरीय निकायों की तकनीकी एवं संस्थागत क्षमता को मजबूत करने की दिशा में दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। पहला एमओयू हुडको और छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के बीच तथा दूसरा एमओयू नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और सेप्ट विश्वविद्यालय के बीच संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री श्री साय ने इन समझौतों को प्रदेश के नगरीय विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि इनके माध्यम से नगरीय निकायों को विकास परियोजनाओं की बेहतर योजना तैयार करने, वित्तीय संसाधन जुटाने, तकनीकी विशेषज्ञता प्राप्त करने, प्रशिक्षण



और संस्थागत क्षमता विकास में सहयोग मिलेगा। इससे शहरों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण परियोजनाओं के निर्माण और उनके प्रभावी क्रियान्वयन को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि शहरी विकास में विशेषज्ञ संस्थाओं, वित्तीय संस्थानों और शासन के बीच मजबूत साझेदारी समय की आवश्यकता है। इस प्रकार का संस्थागत सहयोग छत्तीसगढ़ के शहरों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

'विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य में नगरीय अर्थव्यवस्था की बड़ी भूमिका'

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया है। इसी के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार ने भी विकसित छत्तीसगढ़ का विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है और इसे धरातल पर उतारने के लिए मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमें ऐसे शहर विकसित करने हैं जो निवेश को आकर्षित करें, उद्योग और व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें, रोजगार के नए अवसर सृजित करें और साथ ही नागरिकों को उच्च गुणवत्ता की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएं। सुनियोजित शहरीकरण विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव बनेगा।

'शहरों की समस्याओं का हो स्थायी समाधान'

मुख्यमंत्री श्री साय ने नगरीय निकायों से कहा कि विकास की योजनाएं केवल आज की समस्याओं के समाधान को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि अगले कई दशकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाई जानी चाहिए। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच पेयजल, जल निकासी, सड़क, बिजली, स्वच्छता, परिवहन और अन्य नागरिक सुविधाओं की दीर्घकालिक योजना आवश्यक है। उन्होंने शहरों में जलभराव की समस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि बरसात के दिनों में नागरिकों को होने वाली परेशानी का स्थायी समाधान होना चाहिए। इसके लिए प्रभावी और दीर्घकालिक जल निकासी व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने बिजली एवं अन्य सेवाओं के अव्यवस्थित तारों की समस्या पर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर जुलूस या बड़े वाहनों के आवागमन के दौरान बिजली के तारों को ऊपर उठाने जैसी स्थिति बनती है। यह न तो नागरिक सुरक्षा की दृष्टि से उचित है और न ही आधुनिक शहरी व्यवस्था के अनुरूप। जहां संभव हो, वहां बिजली एवं अन्य सेवाओं के तारों को भूमिगत करने की योजनाएं तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि शहरों के विकास में विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय भी आवश्यक है। पेयजल, सड़क, बिजली, जल निकासी और स्वच्छता जैसे कार्य अलग-अलग न होकर समग्र शहरी नियोजन का हिस्सा होने चाहिए।

'अपने शहरों के भविष्य की योजना बनाएं जनप्रतिनिधि'

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यशाला में उपस्थित महापौरों, नगर पालिका एवं नगर पंचायत अध्यक्षों तथा अधिकारियों से कहा कि जनता ने उन्हें अपने शहरों के विकास की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। इसलिए अपने शहर की वास्तविक आवश्यकताओं और समस्याओं को समझकर उनका स्थायी समाधान तलाशना उनकी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अर्बन चैलेंज फंड नगरीय निकायों के लिए बड़ा अवसर है। सभी निकाय इसके प्रावधानों का गंभीरता से अध्ययन करें, विशेषज्ञों से संवाद करें और ऐसी परियोजनाएं तैयार करें जो तकनीकी रूप से मजबूत, नागरिकों के लिए उपयोगी और आर्थिक रूप से व्यवहार्य हों।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यशाला से मिलने वाला तकनीकी मार्गदर्शन और विशेषज्ञों के सुझाव प्रदेश के नगरीय विकास को नई दिशा देंगे। शासन, जनप्रतिनिधियों, नगरीय निकायों और विशेषज्ञ संस्थाओं के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ के शहरों को स्वच्छ, सुंदर, सुव्यवस्थित, सुविधासंपन्न और आत्मनिर्भर बनाया जाएगा।

'अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा विकास का लाभ'

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार श्सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासश् के मूल मंत्र के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पीएम जनमन योजना के माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों की बसाहटों तक सड़क, बिजली, आवास और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से भी जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास को नई गति मिली है।

पुनर्वास केंद्र में आत्मसमर्पित नक्सली ने लगाई फांसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पुनर्वास केंद्र में रह रहे एक आत्मसमर्पित नक्सली की आत्महत्या का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान26 वर्षीय नरसू बोडू पिता लक्ष्मैया बोडू, निवासी कामकानार थाना गंगालूर क्षेत्र के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक साइंस लैब (FSL) की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, नरसू बोडू ने 27 फरवरी 2025 को बीजापुर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद वह पुनर्वास केंद्र में रह रहा था। इसी दौरान उसने आज फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि, आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

घटना के बाद पुलिस ने मर्ग पंजीबद्ध कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय बीजापुर भेज दिया है। मौके पर पहुंची FSL टीम ने भी आवश्यक जांच की। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है। फिलहाल आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हैं। बीजापुर थाना पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

रायपुर के बड़े कारोबारी की चंडीगढ़ में संदिग्ध मौत, कमरे में मिली शराब और दवाइयां



चंडीगढ़/रायपुर (एजेंसी)। चंडीगढ़ के सेक्टर-17 स्थित पांच सितारा ताज होटल में छत्तीसगढ़ के एक बड़े कारोबारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान रायपुर निवासी 56 वर्षीय दीपक मित्तल के रूप में हुई है। वह राइस मिल के मालिक थे और मार्कफेड की एक बैठक में शामिल होने के लिए चंडीगढ़ आए थे। होटल के कमरे में उनका शव मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मामले में रात के समय कारोबारी के कमरे में पहुंची एक युवती से भी पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, दीपक मित्तल करीब दो दिन पहले चंडीगढ़ पहुंचे थे और सेक्टर-17 स्थित ताज होटल में ठहरे हुए थे। बुधवार सुबह करीब 6 बजे होटल का एक वेटर उनके कमरे में पहुंचा। कमरे का दरवाजा खुला हुआ था। अंदर जाने पर दीपक बिस्तर पर बेसुध अवस्था में मिले। वेटर ने उन्हें उठाने की कोशिश की, लेकिन जब उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो होटल प्रबंधन को सूचना दी गई। इसके बाद होटल कर्मचारियों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर सेक्टर-17 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मामले में एक अहम पहलू यह भी सामने आया है कि रात के समय एक युवती दीपक मित्तल के होटल वाले कमरे में आई थी। पुलिस ने युवती को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू की है। जांच अधिकारी यह जानने का प्रयास कर रहे हैं कि युवती किस सिलसिले में होटल पहुंची थी और कारोबारी की मौत से पहले कमरे में क्या घटनाक्रम हुआ था।

ट्रैक्टर ट्रॉली की चपेट में आया बाइक सवार युवक, मौके पर गई जान



धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है, जहां ट्रैक्टर ट्रॉली की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत हो गई। इस दिल दहला देने वाली घटना का लाइव वीडियो भी सामने आया है। दरअसल, यह हादसा कुरूद थाना अंतर्गत हुआ है। मृतक की पहचान लोकेश साहू के रूप में हुई है, जो कि बिरेझर का रहने वाला था और बिरेझर पुलिस चौकी में साफ-सफ़ाई का काम करता था। कुरुद बायपास में लोकेश की तेज रफ्तार बाइक ट्रैक्टर ट्रॉली की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि ट्रैक्टर जब रोड पार कर रहा होता है। उसी दौरान लोकेश की तेज रफ्तार बाइक ट्रॉली से टकरा जाती है और उसकी मौके पर ही मौत हो जाती है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

चुनाव आयोग की टीम मणिपुर पहुंची, 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू

इंफाल (एजेंसी)। वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्तों के नेतृत्व में चुनाव आयोग का एक दल आगामी विधानसभा चुनावों की समीक्षा के लिए मणिपुर पहुंचा है। आयोग अगले वर्ष की शुरुआत में मणिपुर, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और गोवा में मतदान कराने की योजना बना रहा है। चुनाव कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा से पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त और आयुक्त भी इन राज्यों का दौरा करेंगे। आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों का एक दल इस समय मणिपुर में है। आयोग की योजना अगले साल की शुरुआत में मणिपुर, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और गोवा में विधानसभा चुनाव कराने की है। वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्तों के नेतृत्व में दल चुनाव वाले राज्यों का दौरा कर रहा है। इसके बाद, चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से पहले पूरा निर्वाचन आयोग इन राज्यों का दौरा करेगा। निर्वाचन आयोग के अधिकारी उत्तराखंड का दौरा कर चुके हैं, जबकि पंजाब में चुनावी तैयारियों की समीक्षा के लिए 28 अक्टूबर को दौरा निर्धारित है। गोवा का दौरा भी प्रस्तावित था, लेकिन अब उसकी तारीखों में बदलाव किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल अगले साल 22 मई को समाप्त होगा। उत्तर प्रदेश विधानसभा के 403 सदस्यों के लिए चुनाव होगा।वहीं, 60 सदस्यीय मणिपुर विधानसभा, 40 सदस्यीय गोवा विधानसभा, 117 सदस्यीय पंजाब विधानसभा और 70 सदस्यीय उत्तराखंड विधानसभा का कार्यकाल मार्च 2027 में अलग-अलग तारीखों पर समाप्त होगा। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के प्रावधानों के अनुसार निर्वाचन आयोग को विधानसभा का ''कार्यकाल समाप्त होने से छह महीने से भी पहले चुनाव कराने की अनुमति है''।

31 दिसंबर 2029 तक भारत होगा 'नशामुक्त', अमित शाह ने तय की समय-सीमा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पुलिस स्मृति दिवस' के अवसर पर नई दिल्ली में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देशवासियों और सुरक्षा बलों को संबोधित किया। शाह ने स्पष्ट किया कि नशीले पदार्थों की समस्या भारत के विकास को प्रभावित कर सकती है और अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ डाल सकती है।

पुलिस स्मृति दिवस' के अवसर पर नई दिल्ली में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देशवासियों और सुरक्षा बलों को संबोधित किया। शाह ने स्पष्ट किया कि नशीले पदार्थों की समस्या भारत के विकास को प्रभावित कर सकती है और अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ डाल सकती है। उन्होंने घोषणा की कि गृह मंत्रालय ने अगले 3.5 वर्षों (2026 के शेष समय से लेकर 2027, 2028 और 2029) के भीतर नशे के खिलाफ व्यापक और एकीकृत अभियान चलाने का संकल्प लिया है। शाह ने सभी राज्यों की पुलिस और एजेंसियों से अपील की कि वे एकजुट होकर 31 दिसंबर 2029 तक भारत को पूरी तरह नशा मुक्त बनाने के मिशन में



जुट जाएं।

पुलिस स्मृति दिवस' (पुलिस कमेमोरेशन डे) के अवसर पर नई दिल्ली में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ने उन पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने देश की सेवा में अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे कई मौके आए हैं जब जवानों ने देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अपनी वीरता, अनुशासन और संयम का परिचय दिया है।

शाह ने कहा, "देश अभी भी सभी चुनौतियों से मुक्त नहीं हुआ है; हमारे सामने अभी भी कई मुद्दे हैं।" उन्होंने आगे कहा, "भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने संकल्प लिया है कि अगले 3.5 वर्षों में - यानी 2026 के बचे हुए समय के साथ-साथ 2027, 2028 और 2029 में - हम नशीले पदार्थों की समस्या के खिलाफ एकजुट होकर लड़ेंगे।

दो दिवसीय दौरे पर आज आएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 22 और 23 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहेंगी। उनके आगमन को देखते हुए राजधानी रायपुर में सुरक्षा और यातायात की विशेष व्यवस्था की जा रही है। इस दौरान लोक भवन, सिविल लाइन, बूढ़ापारा और एयरपोर्ट से जुड़े प्रमुख रास्तों पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है।

राष्ट्रपति के काफिले के गुजरने से पहले कुछ मार्गों पर करीब आधे घंटे तक यातायात रोका जा सकता है। अलग-अलग मार्गों पर रोक राष्ट्रपति के आने-जाने और कार्यक्रम के समय के अनुसार लागू होगी। इसलिए 22 और 23 अक्टूबर को एयरपोर्ट, लोक भवन या इनडोर स्टेडियम जाने वालों को अतिरिक्त समय लेकर निकलना चाहिए। प्रशासन की ओर से जारी ताजा निर्देशों के अनुसार ही

बस्तर दशहरा में शामिल होंगी



वैकल्पिक रास्ते का इस्तेमाल करें। राष्ट्रपति के दौरे के दौरान पुराना पुलिस मुख्यालय से लोक भवन चौक तक सामान्य वाहनों की आवाजाही रोके जाने की जानकारी सामने आई है। इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालक कलेक्ट्रेट चौक की ओर से वैकल्पिक रास्ता अपना सकते हैं। इसी तरह एलआईसी कार्यालय से सिविल लाइन रोड पर यातायात प्रभावित रहने की संभावना है। यहां से गुजरने वालों को आयकर भवन के पास उपलब्ध वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करना पड़ सकता है। 22 अक्टूबर को शाम 4 बजे राष्ट्रपति रायपुर के बूढ़ापारा स्थित इनडोर स्टेडियम में नुआखाई पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। उनके आने और लौटने के दौरान लोक भवन चौक से सप्रे शाला की ओर जाने वाले मार्ग पर यातायात नियंत्रित किया जा सकता है। काली माता मंदिर और महिला थाना की ओर से जाने वाले रास्तों पर भी रोक लगने की संभावना है। बूढ़ेश्वर चौक से लोक भवन की ओर जाने वाले मार्ग पर भी वाहन चालकों को बदलाव का सामना करना पड़ सकता है। राष्ट्रपति के माना एयरपोर्ट से लोक भवन आने और वापस एयरपोर्ट जाने के दौरान वीआईपी रोड, एक्सप्रेसवे, शंकर नगर ब्रिज और एसआरपी चौक से जुड़े रास्तों पर यातायात प्रभावित हो सकता है। काफिले के गुजरने से पहले संबंधित मार्गों पर कुछ समय के लिए वाहनों को रोका जा सकता है। एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों को विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि यातायात रोकने का समय सुरक्षा व्यवस्था और काफिले की वास्तविक आवाजाही के अनुसार बदल सकता है।

राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए रायपुर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जा रही है। प्रकाशित खबरों के अनुसार, सुरक्षा में 2000 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की तैयारी है। इसमें वरिष्ठ अधिकारी और दूसरे शहरों से बुलाया गया अतिरिक्त पुलिस बल भी शामिल होगा।

रावण दहन के दौरान खूनी संघर्ष युवक की चाकू मारकर हत्या, तीन आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में दशहरा उत्सव के दौरान डांस को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। मानिकपुर चौकी क्षेत्र के मुड़ापार दशहरा मैदान में 22 वर्षीय युवक राहुल कुमार उर्फ गोल्डन की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक अन्य आरोपी फरार है। जानकारी के मुताबिक, रावण दहन कार्यक्रम के दौरान साउंड बॉक्स पर डांस करने को लेकर राहुल कुमार उर्फ गोल्डन का आरोपी बिट्टू चौहान से विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि डांस के दौरान राहुल ने बिट्टू को धक्का देकर थप्पड़ मार दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके दोस्त विजय चौहान को भी राहुल ने थप्पड़ मार दिया। इसके बाद विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। घटना से गुस्साए बिट्टू चौहान, विजय चौहान, सीपू चौहान और उनके एक अन्य साथी ने राहुल को पीछे की गली में ले जाकर उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया।

बॉलीवुड डेब्यू को लेकर नर्वस है ईशा मालवीय, बोलीं- आउटसाइडर को मौका मिलना मेरे लिए बड़ी बात

मुंबई (एजेंसी)। छोटे पर्दे पर अपनी पहचान बनाने के बाद अब एक्ट्रेस ईशा मालवीय बड़े पर्दे पर अपनी नई पारी शुरू करने जा रही हैं। फिल्म तुम मेरे हो से बॉलीवुड में डेब्यू करने को लेकर ईशा काफी एक्साइटेड हैं। हालांकि, पहली फिल्म को लेकर उनके मन में घबराहट भी है लेकिन वह इस मौके को लेकर ज्यादा खुश हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि एक आउटसाइडर होने के बावजूद उन्हें बड़े पर्दे पर काम करने का मौका मिला है, जो उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। ईशा मालवीय ने कहा, पहली फिल्म होने की वजह से मैं नर्वस हूं और मुझे डर भी लग रहा है लेकिन मेरी खुशी नर्वस होने से कहीं ज्यादा है।

एक आउटसाइडर के तौर पर बड़े पर्दे तक पहुंचना मेरे लिए बड़ी बात है। मैं इस मौके को लेकर काफी एक्साइटेड हूं और अपनी फिल्म को दर्शकों के सामने लाने का इंतजार कर रही हूं।

ईशा मालवीय ने कहा, मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं। मुझे लगता है कि अब तक मैंने जो मेहनत की है, जिंदगी में जिन मुश्किलों का सामना किया है और मुझे यहां तक पहुंचाने के लिए मेरे माता-पिता ने जो परेशानियां झेली हैं, उन सबका नतीजा अब सामने आ रहा है। मैं फिल्म तुम मेरे हो से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हूं। इसके लिए मैं बहुत खुश हूं।

ईशा ने कहा, मेरे लिए अभी भी इस बात पर यकीन करना आसान नहीं है कि मैं सच में बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बन गई हूं। मुझे कई बार ऐसा लगता है, जैसे मैं कोई सपना देख रही हूं। हालांकि, जब मैं फिल्म से जुड़े लोगों को अपने साथ देखती हूं, तो मुझे



इस बात का एहसास होता है कि मेरा सपना अब हकीकत बन रहा है। यह मेरे लिए अनुभव काफी खास है और मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूं।

अपनी फिल्म तुम मेरे हो को लेकर ईशा ने कहा, मुझे उम्मीद है कि यह उन दर्शकों को पसंद आएगी, जो पर्दे पर एक सिंपल लव स्टोरी देखना चाहते हैं। हम दर्शक के तौर पर अक्सर शिकायत करते हैं कि अच्छी फिल्में नहीं आ रही हैं। फिल्मों में बहुत हिंसा और खून-खराबा है। रोमांस कहां है? एक सिंपल लव स्टोरी कहां है? इसलिए हम आपके लिए तुम मेरे हो लेकर आए हैं।

फिल्म तुम मेरे हो में ईशा मालवीय के साथ एक्टर गुरमीत चौधरी भी नजर आएंगे। आशीष पांडा के डायरेक्शन में बनी यह म्यूजिकल फिल्म 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

जैकी श्रॉफ और शरद केलकर की 'काली खेती' अब 20 नवंबर को होगी प्रदर्शित

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता जैकी श्रॉफ और शरद केलकर की आगामी ग्रामीण पृष्ठभूमि पर आधारित डरावनी फिल्म 'काली खेती की रिलीज तारीख आगे बढ़ा दी गई है। पहले यह फिल्म 23 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने वाली थी, लेकिन अब दर्शकों को इसके लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा। निर्माताओं ने नई रिलीज तारीख की घोषणा करते हुए फिल्म से दोनों अभिनेताओं के पहले रूप भी जारी किए हैं। अब यह फिल्म 20 नवंबर, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

हारिस इम्तियाज खान के लेखन और निर्देशन में बनी 'काली खेती ग्रामीण जीवन और कृषि को डरावने तथा रहस्यमयी अंदाज में प्रस्तुत करने का प्रयास करेगी। फिल्म की कहानी गांव की पृष्ठभूमि में रची गई है, जहां खेती-किसानी से जुड़े परिवेश को भय और रहस्य के साथ जोड़ा गया है।

फिल्म के जारी किए गए पोस्टर में जैकी श्रॉफ का अधूरा और डरावना रूप दिखाई दे रहा है। वहीं, शरद केलकर गंभीर और आक्रामक अंदाज में नजर आ रहे हैं। पोस्टर के साथ इस्तेमाल की गई रहस्यमयी धुन फिल्म के भयावह वातावरण की झलक पेश करती है।

निर्माताओं ने इन झलकियों के जरिए फिल्म की रहस्यमयी दुनिया और उसके पात्रों के बारे में उत्सुकता बढ़ाने की कोशिश की है। ग्रामीण परिवेश में रची गई यह कहानी पारंपरिक डरावनी फिल्मों से अलग अंदाज में खेती और गांव की दुनिया को पर्दे पर प्रस्तुत करने का वादा करती है।

तीसरे दिन नई नवेली ने मारी बाजी

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेत्री यामी गौतम की डरावनी हास्य फिल्म 'नई नवेली ने प्रदर्शन के पहले तीन दिनों में बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है। वहीं, अभिनेता राजकुमार राव की जीवनी पर आधारित फिल्म 'प्रहारः द उज्ज्वल निकम स्टोरी कमाई के मामले में फिलहाल पीछे चल रही है। दोनों फिल्में 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थीं। शुरुआती तीन दिनों के कारोबार में यामी गौतम की फिल्म ने बढ़त बना रखी है।



बॉक्स ऑफिस के आंकड़े जारी करने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, 'नई नवेली ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 4.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म ने पहले दिन 3.25 करोड़ रुपये की कमाई के साथ शुरुआत की थी, जबकि दूसरे दिन इसका कारोबार बढ़कर चार करोड़ रुपये पहुंच गया। इस तरह फिल्म का तीन दिनों का कुल घरेलू शुद्ध संग्रह 11.65 करोड़ रुपये हो गया है। विदेशों में भी फिल्म को दर्शक मिल रहे हैं। तीसरे दिन विदेशी बाजारों से फिल्म ने लगभग 50 लाख रुपये कमाए, जिससे इसकी कुल विदेशी कमाई दो करोड़ रुपये हो गई। फिल्म का दुनिया भर में कुल कारोबार 15.88 करोड़ रुपये बताया गया है।

दूसरी ओर, राजकुमार राव अभिनीत 'प्रहारः द उज्ज्वल निकम स्टोरी ने रिलीज के तीसरे दिन रविवार को 3.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म ने पहले दिन 2.35 करोड़ रुपये कमाए थे, जबकि दूसरे दिन इसकी कमाई बढ़कर 3.15 करोड़ रुपये हो गई थी।

कुणाल खेमू के शो अलायंस के दूसरे सीजन का ऐलान, अमेजन प्राइम वीडियो पर 14 जनवरी 2027 से होगा प्रसारण

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता कुणाल खेमू की मेजबानी वाले लोकप्रिय रियलिटी शो 'अलायंस के प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। निर्माताओं ने शो के दूसरे सीजन की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इसके साथ ही नए सीजन के प्रसारण की तारीख भी तय कर दी गई है। यह शो 14 जनवरी, 2027 से अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रसारित होगा।

जून 2026 में प्रसारित हुए पहले सीजन को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। इसी लोकप्रियता को देखते हुए निर्माताओं ने इसे दूसरे सीजन के साथ वापस लाने का फैसला किया है। पहले सीजन में डेजी शाह, अर्सलान गोनी, सोहेल खान, कुशाल टंडन और मैक्सटर्न समेत कुल 16 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था। प्रतियोगियों के बीच गठबंधन बनाने, रणनीति तैयार करने और एक-दूसरे को चुनौती देने के कारण यह शो चर्चा में रहा।



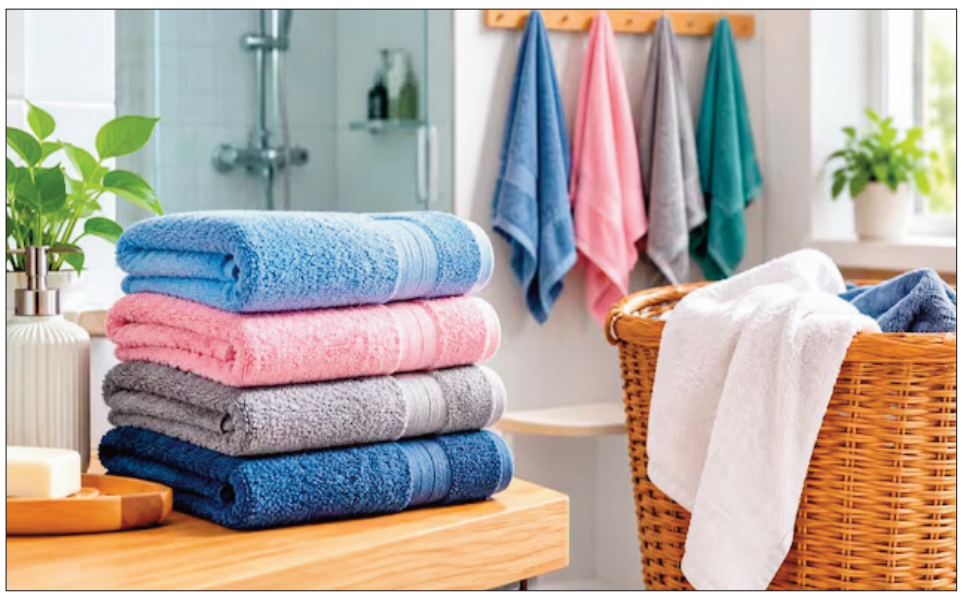
पहले सीजन की विजेता मिनी माथुर बनी थीं। अमेजन प्राइम वीडियो ने सामाजिक माध्यम 'एक्स पर आधिकारिक पोस्टर जारी कर दूसरे सीजन की घोषणा की। पोस्ट के साथ दिए गए संदेश में नए गठबंधनों, अधिक नाटकीय घटनाक्रम और गठबंधनों के टूटने का संकेत दिया गया है। इससे उम्मीद की जा रही है कि नए सीजन में प्रतियोगियों के बीच रणनीतिक मुकाबला और रोमांच देखने को मिलेगा। 'अलायंस की खासियत इसका गठबंधन, विश्वासघात और रणनीति पर आधारित प्रारूप है। इसमें प्रतियोगियों को परिस्थितियों के अनुसार दूसरे प्रतिभागियों के साथ गठबंधन बनाना पड़ता है। हालांकि, बदलते समीकरणों के बीच इन गठबंधनों का टूटना भी खेल का अहम हिस्सा है। 'अलायंस टाल्पा स्टूडियोज के लोकप्रिय डच प्रारूप का पहला अंतरराष्ट्रीय रूपांतरण है। भारत में इसका निर्माण बनिजय एशिया ने किया है। शो में सामाजिक संबंधों, आपसी विश्वास, रणनीति और प्रतिस्पर्धा को मनोरंजक अंदाज में प्रस्तुत किया जाता है।

पहले सीजन की सफलता के बाद अब दर्शकों की नजर इसके दूसरे सीजन पर है। 14 जनवरी, 2027 को होने वाले प्रीमियर के साथ यह देखना दिलचस्प होगा कि नए सीजन में कौन से प्रतियोगी शामिल होते हैं और गठबंधन तथा रणनीति का खेल किस तरह आगे बढ़ता है।

सेहत

क्या बाथ टॉवल बदलने का समय आ गया है? इन 5 संकेतों से लगाएं पता

बाथ टॉवल का इस्तेमाल करने से त्वचा को सुखाने में मदद मिलती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बाथ टॉवल को कितने समय तक इस्तेमाल किया जा सकता है? दरअसल, बाथ टॉवल को लंबे समय तक इस्तेमाल करने से उसमें कीटाणु पनपने लगते हैं, जो त्वचा के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। आइए आज हम आपको 5 ऐसे संकेतों के बारे में बताते हैं, जो यह बताते हैं कि आपको अपना बाथ टॉवल बदल लेना चाहिए।



गंध आना

अगर आपके बाथ टॉवल में अजीब गंध आने लगे तो उसे तुरंत बदल दें। गीला बाथ टॉवल एक ऐसी जगह होती है, जहां कीटाणु तेजी से बढ़ते हैं, जो त्वचा पर संक्रमण का कारण बन सकते हैं।

इसलिए अगर आपके बाथ टॉवल में अजीब गंध आने लगे तो उसे तुरंत बदल दें।

इसके अलावा इस्तेमाल किए हुए बाथ टॉवल को हमेशा खुली जगह पर सुखाएं ताकि उसमें मौजूद नमी दूर हो जाएं और कीटाणु न पनप सकें।

अगर बाथ टॉवल बहुत पतला हो गया हो तो उसे बदलें

अगर आपका बाथ टॉवल बहुत पतला हो गया है तो उसे बदलें। कई बार धोने के बाद बाथ टॉवल का कपड़ा ढीला और पतला हो जाता है, जिससे वह अपनी नमी को अच्छे से सोख नहीं पाता है।

ऐसे बाथ टॉवल से त्वचा पर खरोंच भी आ सकती है, इसलिए अगर आपका बाथ टॉवल बहुत पतला हो गया हो तो उसे बदल लें।

दाग-धब्बे दिखाई दें तो बदलें बाथ टॉवल

अगर आपके बाथ टॉवल पर दाग-धब्बे दिखाई देने लगे तो उसे बदल लें। बाथटॉवल पर साबुन या शैंपू के दाग लगते हैं, जिन्हें धोने से साफ नहीं किया जा सकता है। अगर आपके बाथ टॉवल पर पसीने या गंदगी के दाग लगे हैं तो उसे भी बदल लें। इन दागों को साफ करने में काफी समय लग सकता है।

ज्यादा इस्तेमाल के बाद भी नहीं दिख रहा है बदलाव

अगर आप अपने बाथ टॉवल का इस्तेमाल ज्यादा करते हैं और फिर भी उसमें कोई बदलाव नहीं आ रहा है तो उसे बदल लें।

आमतौर पर इस्तेमाल के बाद बाथ टॉवल थोड़ा मुलायम और ज्यादा सोखने वाला हो जाता है। अगर ऐसा नहीं हो रहा है तो इसका मतलब है कि वह पुराना हो गया है।

इसके अलावा अगर बाथ टॉवल ज्यादा गीला रह रहा है तो उसे बदल लें।

ज्यादा समय तक इस्तेमाल करना नहीं है सही

अधिकतर लोग अपने बाथ टॉवल को 2 साल तक इस्तेमाल कर लेते हैं, लेकिन विशेषज्ञों के मुताबिक, हर 6-12 महीने में बाथ टॉवल को बदल लेना चाहिए, खासकर अगर आपके बाथ टॉवल पर कोई विशेष धारण जैसे कि रंग, डिजाइन या पैटर्न नहीं है।

समय-समय पर अपने बाथ टॉवल को बदलना न केवल आपकी त्वचा बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा है। इसलिए हर 6-12 महीने में अपने बाथ टॉवल को बदल लें। **(एजेंसी)।**

सर्दियों में मॉर्निंग वॉक से पहले रखें कुछ खास बातों का ख्याल

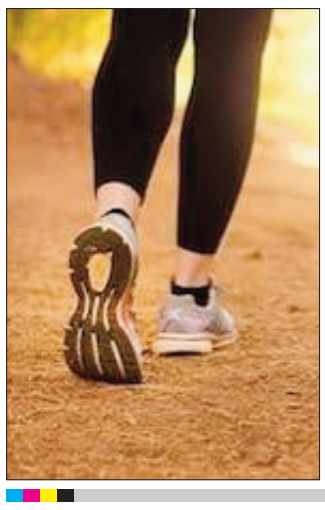
मॉर्निंग वॉक इसलिए भी जरूरी है कि क्योंकि इसमें शरीर में जमा खराब और एक्सट्रा कोलेस्ट्रॉल बाहर निकलता है। इसमें मांसपेशियों को खूब इस्तेमाल होता है। लंबे मॉर्निंग वॉक के दौरान शरीर डिहाइड्रेट हो सकता है इसलिए शरीर में पानी की कमी महसूस न होने दें। ऐसे में सबसे जरूरी चीज यह है कि आप मॉर्निंग वॉक करने से पहले कुछ खास बात बातों का जरूर ख्याल रखें. नहीं तो ज्यादा वॉक से आपको नुकसान भी हो सकता है।

आपका पेट एकदम साफ होना चाहिए

मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले पेट को एकदम साफ रखें। क्योंकि अगर पेट साफ नहीं रहेगा तो कब्ज की स्थिति बनी रहेगी। शरीर की गर्मी आपके पेट में कब्ज पैदा कर सकती है।

ढेर सारा पानी पिएं

मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले ढेर सारा पानी पीना जरूरी है। ताकि आपका शरीर डिहाइड्रेट न रहें और मांसपेशियों में ताकत बनी रहे। मॉर्निंग वॉक के दौरान स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज जरूर करें. जिससे ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है. और वॉक करने की क्षमता बढ़ती है. मॉर्निंग वॉक करने से पहले इन ऊपर दिए गए बातों का खास ख्याल रखें।



एक बैग अपने साथ रखें

बैग रखना इसलिए जरूरी है ताकि आप उसमें अपने पानी का बोतल, फोन, हेडफोन, और गर्मी लगने पर जैकेट खोलने के बाद उसमें डाल लें।

पहला होम जिम बनाने के लिए न खरीदें 12 मशीनें, इन 5 चीजों पर दें ध्यान

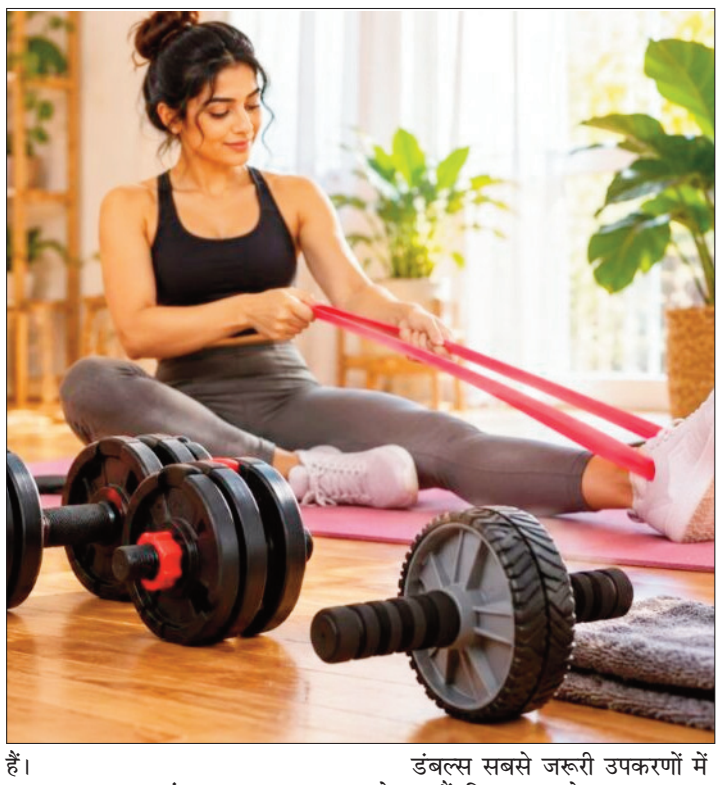
जिम के बिना फिटनेस पाना संभव है। इसके लिए आप अपने घर पर होम जिम बना सकते हैं। होम जिम बनाने के लिए आपको 12 मशीनों की जरूरत नहीं होती। कुछ जरूरी सामानों से ही आप अपना होम जिम बना सकते हैं। इससे न केवल आपका समय बचेगा, बल्कि आप अपनी फिटनेस को भी बेहतर बना सकेंगे। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे जरूरी सामानों के बारे में बताते हैं, जो आपके होम जिम के लिए फायदेमंद हो सकते हैं।

योगा मैट

योगा मैट एक जरूरी सामान है, जिसका उपयोग आप योगा, स्ट्रेचिंग या फर्श पर की जाने वाली कसरत के लिए कर सकते हैं।

यह मैट आपके शरीर को आरामदायक महसूस कराने में मदद करता है और फर्श की कठोरता से बचाव करता है।

इसके अलावा यह मैट आपको एक साफ और सुरक्षित जगह प्रदान करता है, जहां आप बिना किसी परेशानी के अपनी कसरत कर सकते हैं। योगा मैट के साथ घर पर ही फिटनेस का आनंद ले सकते हैं।



डंबल्स

डंबल्स सबसे जरूरी उपकरणों में से एक हैं, जिनका उपयोग आप अलग-अलग प्रकार की कसरत के लिए कर सकते हैं।

डंबल्स से आप अपनी मांसपेशियों को मजबूत कर सकते हैं और शरीर की ताकत बढ़ा सकते हैं। ये छोटे होते हैं और इन्हें संभालना आसान होता है, जिससे आप घर पर ही आराम से कसरत कर सकते हैं।

डंबल्स का उपयोग करके आप कई प्रकार की कसरत कर सकते हैं, जैसे बाइसेप कर्ल, ट्राइसेप एक्सटेंशन, शोल्डर प्रेस आदि।

कूदने वाली रस्सी

कूदने वाली रस्सी एक सरल लेकिन असरदार उपकरण है, जिससे आप दिल की सेहत और फिटनेस प्राप्त कर सकते हैं। इससे आपका दिल स्वस्थ रहता है और आपका वजन नियंत्रित रहता है। कूदने वाली रस्सी का उपयोग करने से आपकी धड़कनें तेज होती हैं, जिससे आपका शरीर ऊर्जा से भरपूर रहता है। यह उपकरण हर उम्र के लोगों के लिए उपयुक्त है और इसे कहीं भी ले जाना आसान होता है।

एक्सरसाइज बॉल

एक्सरसाइज बॉल का उपयोग करके आप संतुलन, स्थिरता और ताकत बढ़ा सकते हैं। इससे कई प्रकार की कसरत की जा सकती हैं, जो पेट, पीठ और पैरों के लिए फायदेमंद होती हैं।

इस बॉल पर बैठने से आपकी मुद्रा सुधरती है और मांसपेशियों पर दबाव कम होता है।

यह बॉल आपके घर के किसी भी कोने में आसानी से फिट हो सकती है और इसका इस्तेमाल करके आप अपनी फिटनेस को एक नया आयाम दे सकते हैं।

योगा ब्लॉक

योगा ब्लॉक का उपयोग करके आप अपनी योगा रूटीन को बेहतर बना सकते हैं। ये ब्लॉक्स आपकी सहायता करते हैं जब आपको किसी मुद्रा को सही तरीके से करने में कठिनाई होती है। इनसे आपकी कसरत अधिक असरदार होती जाती है।

इन 5 जरूरी सामानों की मदद से आप अपने घर पर ही एक बेहतरीन होम जिम बना सकते हैं और फिटनेस का आनंद ले सकते हैं। इनसे न केवल आपका समय बचेगा, बल्कि आपकी फिटनेस भी बेहतर होगी।**(एजेंसी)।**

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

गुरुवार 22 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

पुलिस स्मृति दिवस पर मुख्यमंत्री ने अमर शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि, शहीद परिवारों का किया सम्मान

नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता हमारे पुलिस और सुरक्षा बलों के शौर्य, साहस और बलिदान का परिणाम : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध मिली निर्णायक सफलता हमारे वीर पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों के अदम्य साहस, शौर्य, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान का परिणाम है। दशकों तक नक्सल हिंसा और भय से प्रभावित रहे बस्तर सहित प्रदेश के दूरस्थ अंचलों में आज शांति, सुरक्षा और विश्वास का नया वातावरण बना है। इस ऐतिहासिक परिवर्तन के पीछे उन असंख्य वीर जवानों का त्याग और बलिदान है, जिन्होंने प्रदेश और देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। अमर शहीदों का बलिदान सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय साय ने आज पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के माना स्थित चौथी वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के प्रांगण में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस परेड को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों की ओर से कर्तव्य पथ पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों को नमन किया और शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शहीद पुलिस अधिकारियों एवं जवानों के परिजनों को शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके प्रति कृतज्ञता और संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस देश की एकता, अखंडता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों की अमर शौर्यगाथा को स्मरण करने का दिन है। हमारे पुलिस और सुरक्षा बल कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा के साथ नागरिकों की सुरक्षा तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तत्पर रहते हैं। उनकी वीरता और समर्पण के कारण ही समाज में शांति और सुरक्षा का वातावरण सुनिश्चित होता है।

उन्होंने कहा कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख में भारत-तिब्बत सीमा पर तैनात भारतीय पुलिस के जवानों ने चीनी सैनिकों के एक बड़े दस्ते का अदम्य साहस के साथ सामना किया था। इस संघर्ष में हमारे 10 वीर जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी शहादत की स्मृति में प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। यह दिवस हमें उन सभी पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है, जिन्होंने कर्तव्य पथ पर अपने प्राणों की आहुति दी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस केवल शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा की महान परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का भी दिन है।

एक जवान जब देश और समाज



की सुरक्षा के लिए कर्तव्य पथ पर खड़ा होता है, तब उसके पीछे उसके पूरे परिवार का त्याग, धैर्य और साहस भी जुड़ा होता है। इसलिए हमारे शहीद जवानों के परिवारों का सम्मान और कल्याण सरकार की जिम्मेदारी और सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने शहीद परिवारों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि राज्य सरकार हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है। शहीदों के परिजनों ने जिस साहस और धैर्य के साथ अपने प्रियजनों के बलिदान को राष्ट्रसेवा के गौरव में परिवर्तित किया है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणादायी है। प्रदेश अपने अमर शहीदों और उनके परिवारों के योगदान को कभी नहीं भूलेगा।

'नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष में जवानों ने रचा शौर्य का इतिहास'

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए इस वर्ष का पुलिस स्मृति दिवस विशेष महत्व रखता है। प्रदेश ने नक्सलवाद के विरुद्ध लंबे संघर्ष के बाद शांति, सुरक्षा और विकास की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इस सफलता में छत्तीसगढ़ पुलिस, जिला रिजर्व गार्ड, बस्तर फाइटर्स और केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवानों का योगदान अविस्मरणीय है।

उन्होंने कहा कि हमारे जवानों ने घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ियों और अत्यंत कठिन परिस्थितियों में अपने जीवन की परवाह किए बिना नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष किया। उनके अदम्य साहस और पराक्रम से नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता सुनिश्चित हुई है। अनेक जवानों ने इस संघर्ष में सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका शौर्य और बलिदान छत्तीसगढ़ के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में नक्सलवाद के उन्मूलन का संकल्प साकार हुआ है। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों तथा सुरक्षा बलों के साहस से बस्तर में शांति और विश्वास का नया वातावरण बना है।

'जहां कभी भय का साया था, वहां अब पहुंच रही विकास की रोशनी'

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर के जिन क्षेत्रों में कभी हिंसा और भय का वातावरण था, वहां अब विकास की नई तस्वीर दिखाई दे रही है। सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। दूरस्थ गांवों तक शासन की योजनाएं और सेवाएं पहुंच रही हैं तथा लोगों का लोकतांत्रिक व्यवस्था और शासन के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

उन्होंने कहा कि नियद नेल्लानार योजना, पीएम जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी योजनाओं के माध्यम से दूरस्थ और वंचित जनजातीय क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। सुरक्षा और विकास के समन्वित प्रयासों से बस्तर में सकारात्मक बदलाव की नई यात्रा प्रारंभ हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध मिली सफलता के बाद अब प्रदेश के सामने शांति को स्थायी बनाने और विकास की गति को और तेज करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। हमारी सरकार बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ को समृद्धि और खुशहाली की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। नक्सलवाद के विरुद्ध मिली ऐतिहासिक सफलता विकसित छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार पुलिस और सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक और संसाधनों से सशक्त बनाने, बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने तथा जवानों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कानून का शासन, नागरिकों की सुरक्षा और जनता का विश्वास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में संभागीय बैठक 23 को

बिलासपुर। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी की अध्यक्षता में खरीफ वर्ष 2026 की समीक्षा तथा रबी वर्ष 2026-27 के कार्यक्रम निर्धारण के लिए संभागीय बैठक 23 अक्टूबर को सवेरे 11 बजे से जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में होगी। बैठक में संभागायुक्त बिलासपुर, संचालक कृषि, उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, पशुपालन, मछली पालन, प्रबंध संचालक बीज निगम, मार्कफेड, बीज प्रमाणीकरण संस्था, अपेक्स बैंक, अनुसंधान सेवाएं, विस्तार सेवाएं, इं.गां.कृ.वि.वि. रायपुर छ.ग., क्षेत्रीय प्रबंधक, नाबार्ड सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भर्ती : आवेदन 6 नवम्बर तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना बिलासपुर शहरी अंतर्गत इंदिरा नगर वार्ड 37 के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 37 इंदिरा नगर टिकरापारा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के एक रिक्त पद पर भर्ती के लिए 23 अक्टूबर से 6 नवम्बर 2026 तक ऑनलाईन आवेदन मंगाये गये है। ऑनलाईन लिंक https://aww.e-bharti.in/login में जाकर अनिवार्य दस्तावेजों की फाइल अपलोड करते हुए आवेदन कर सकते है।

रोजगार कार्यालय में आज रोजगार मेला का आयोजन

बालोद। जिले के शिक्षित एवं तकनीकी रूप से दक्ष युवक-युवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र बालोद के तत्वावधान में 22 अक्टूबर को संयुक्त जिला कार्यालय स्थित रोजगार कार्यालय में रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र बालोद के उप संचालक ने बताया कि इस रोजगार मेला में 04 निजी नियोजकों द्वारा कुल 215 तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पदों पर भर्ती की जाएगी। आवेदक साक्षात्कार के दिन अपने समस्त शैक्षणिक योग्यता के मूल प्रमाण पत्र, आधार कार्ड तथा रोजगार पंजीयन कार्ड की छायाप्रति अनिवार्य रूप से साथ लेकर उपस्थित होने को कहा गया है। इसके साथ ही विस्तृत जानकारी हेतु विभागीय पोर्टल https://erojgar.cg.gov.in का अवलोकन किया जा सकता है अथवा जिला रोजगार कार्यालय बालोद के दूरभाष क्रमांक 07749-299509 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

युवा उत्सव का आयोजन 30 को

नारायणपुर। कलेक्टर नम्रता जैन के निर्देशानुसार एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय युवा उत्सव 2026-27 का आयोजन 30 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नारायणपुर में किया जाएगा। आयोजन के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग के खेल अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित प्रतिभागी राज्य स्तरीय युवा उत्सव में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के लिए आयु सीमा 15 से 29 वर्ष तथा संगतकारों के लिए 18 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है।

मिट्टी की सेहत सँवारने गांव-गांव पहुंचेगा 'खेत बचाओ अभियान'

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। खेत की मिट्टी स्वस्थ रहे, पानी की हर बूंद सहेजी जाए और फसल कटने के बाद भी जमीन का बेहतर उपयोग होकृइन्हीं उद्देश्यों के साथ जिले में 22 अक्टूबर से 'खेत बचाओ अभियान' शुरू होगा। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित यह अभियान 30 नवंबर तक चलेगा। अभियान के तहत किसानों को मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के संतुलित उपयोग, फसल विविधीकरण और प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए जागरूक किया जाएगा।

जिले के चारों विकासखंड बिल्हा, मस्तूरी, तखतपुर और कोटा में अभियान के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक विकासखंड के 25 ग्राम पंचायत भवनों में आयोजन होगा। इस प्रकार जिले में कुल 100 ग्राम पंचायत भवनों में किसानों तक खेती की उपयोगी जानकारी पहुंचाई जाएगी। प्रत्येक कार्यक्रम में लगभग 50 प्रगतिशील किसानों की भागीदारी का लक्ष्य रखा गया है। उप संचालक कृषि ने वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों को अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और किसानों की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, प्रगतिशील किसानों, महिला कृषक स्व-सहायता समूहों, कृषि उत्पादक संगठनों, कृषि सखियों और सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों को भी जोड़ा जाएगा।

अभियान का प्रमुख संदेश होगा-मिट्टी की जरूरत समझें और उसी के अनुरूप खाद का उपयोग करें। किसानों को मृदा परीक्षण का महत्व बताते हुए उर्वरकों एवं अन्य कृषि आदानों के संतुलित और विवेकपूर्ण उपयोग की जानकारी दी जाएगी। जल संरक्षण एवं संचयन के साथ भूमि की उर्वरता बनाए रखने वाली टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। धान की कटाई के बाद खाली रहने वाले खेतों के समुचित उपयोग पर भी विशेष जोर रहेगा।

रामलला के दर्शन को निकले 850 श्रद्धालु

सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े और विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने दिखाई हरी झंडी

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। श्री रामलला दर्शन योजना के तहत आज बिलासपुर रेलवे स्टेशन से आस्था स्पेशल ट्रेन बिलासपुर संभाग के 850 श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। जांजगीर-चांपा लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े एवं बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने विशेष ट्रेन



को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। गाजे-बाजे, पारंपरिक नृत्य और पुष्प वर्षा के बीच श्रद्धालुओं को आत्मीय विदाई दी गई। जय श्रीराम के जयघोष से पूरा रेलवे स्टेशन गूंज उठा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, जिला पंचायत सभापति श्रीमती भारती नीरज माली, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल सहित रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने कहा कि रामलला दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की तीर्थयात्रा का अवसर मिल रहा है। भगवान श्रीराम के दर्शन की अभिलाषा हर श्रद्धालु के मन में होती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल से इस योजना से श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम के दर्शन का अवसर मिल रहा है। श्रद्धालुओं के चेहरे पर दिखाई दे रही यह खुशी इस योजना की सार्थकता को दर्शाती है। विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने कहा कि श्री रामलला दर्शन योजना श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का सम्मान है।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद जवानों को दी गई श्रद्धांजलि, शहीद परिवारों का किया गया सम्मान



बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। 2री वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल सकरी में आज पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बलों के जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में पुलिस बैंड की धुन के साथ भव्य परेड आयोजित कर शहीदों को सलामी दी गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज श्री राम गोपाल गर्ग ने 1 सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 तक की अवधि में देशभर में शहीद हुए पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बलों के जवानों की नामावली सूची का वाचन किया। इसके पश्चात शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस दौरान उपस्थित शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया गया तथा पुलिस महानिरीक्षक ने उनसे मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष बिलासपुर श्री राजेश सूर्यवंशी, उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर श्री रजनेश सिंह, उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुंगेली श्री भोजराम पटेल, सेनानी 2री वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल सकरी-बिलासपुर श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा सेवानिवृत्त पुलिस उप महानिरीक्षक श्री पी.एस. ठाकुर, श्री एच.आर. मनहर एवं श्री टी. एक्का, सेवानिवृत्त पुलिस अधीक्षक श्री सी.डी. टंडन, जिला सेनानी नगर सेना श्री दीपांकुर नाथ सैमुअल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पटेल, सहायक सेनानी श्री एच.एल. ध्रुव, श्रीमती किरण गुप्ता, उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती मंजुलता केरकेट्टा तथा माननीय उच्च न्यायालय सुरक्षा में पदस्थ उप पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेन्द्र सिंह बैस सहित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी और शहीद परिवारों के सदस्य मौजूद रहे। शहीद जवानों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए उनके प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई।

विजयदशमी के पावन अवसर पर पुलिस लाइन गरियाबंद में हुआ पारंपरिक शस्त्र पूजन



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। विजयदशमी (दशहरा) पर्व के पावन अवसर पर रक्षित केंद्र (पुलिस लाइन) गरियाबंद में पूर्ण विधि-विधान और पारंपरिक गरिमा के साथ शस्त्र पूजा का आयोजन किया गया। इस विशेष अनुष्ठान में पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पुलिस विभाग के आधुनिक एवं पारंपरिक अस्त्र-शस्त्रों तथा वाहनों का तिलक लगाकर, अक्षत और पुष्प अर्पित कर विधि-विधान से पूजन किया। शस्त्र पूजन के इस गरिमामयी कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कर्ण सिंह उके, उप पुलिस अधीक्षक सुश्री लितेश सिंह, एस.डी.ओ.पी. सुश्री निशा सिन्हा एवं रक्षित निरीक्षक सनत कुमार ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे। पूजा संपन्न होने के उपरांत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा हर्षोल्लास के साथ एक-दूसरे को विजयादशमी पर्व की बधाई व शुभकामनाएं दी गईं।

इस शुभ अवसर पर पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर ने संपूर्ण पुलिस परिवार, उनके परिजनों तथा समस्त गरियाबंद जिलेवासियों को विजयदशमी की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए पुलिस परिवार और जिले की जनता के जीवन में अपार सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

उन्होंने कहा कि यह पर्व समाज में बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की जीत का संदेश देता है और पुलिस बल सदैव जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर पुलिस लाइन के अन्य अधिकारी, अधीनस्थ कर्मचारी एवं पुलिस परिवार के सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ इस धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया।

संपादकीय

चुनाव परिणाम पर सवाल



निर्वाचन आयोग को विपक्षी दलों को आमंत्रित कर उनकी शिकायतों पर ध्यान देना चाहिए। मंगलवार को जब विपक्षी सांसद विरोध जताने निर्वाचन आयोग जाएंगे, तो वह उनसे संवाद शुरू करने का माकूल मौका होगा।

लोगों का असंतोष फिर से सड़कों पर उबल रहा है। इस बार मुद्दा राजनीतिक है। नई दिल्ली के जंतर-मंतर से लेकर मुंबई के शिवाजी पार्क और देश के अन्य हिस्सों में हुए विरोध प्रदर्शनों का संदेश है कि जनमत के एक बड़े हिस्से में चुनाव प्रक्रिया के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रहने का भरोसा नहीं रहा। यह चिंताजनक स्थिति है, क्योंकि ऐसी धारणाएं निर्वाचित सरकार की वैधता पर सवाल उठाने तक चली जाती हैं। भारत में यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति बनने लगी है, जब विपक्ष और सिविल सोसायटी के एक हिस्से में हाल में हुए चुनावों के परिणाम पर खुलेआम संदेह जताया जा रहा है। कुछ राजनेताओं ने 2024 के चुनाव परिणाम पर भी सवाल उठाए हैं।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित विवाद पर जैसा विरोध भड़का है, वह संकेत है कि इन सवालों और संदेहों का प्रभाव दूर तक चला गया है। सरकार के कर्ता-धर्ताओं में दूरदर्शिता होती को बन रहे हालात का मतलब समझते हुए वे उचित पहल करते। कहा जा सकता है कि ऐसा ना कर वे देश की राजनीतिक व्यवस्था के लिए चुनौतियां बढ़ा रहे हैं। केंद्र और निर्वाचन आयोग चाहें, तो अभी भी बहुत देर नहीं हुई है। उन्हें यह उचित सलाह होगी कि वे चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता बहाल करने की पहल तुरंत करें। इसकी शुरुआत ऐसी सर्वदलीय बैठक बुलाकर की जा सकती है, जो महज रस्म-अदायगी ना हो।

उधर निर्वाचन आयोग को विपक्षी दलों को आमंत्रित कर उनकी शिकायतों पर ध्यान देना चाहिए। मंगलवार को जब इंडिया गठबंधन के सांसद विरोध जताने निर्वाचन आयोग की ओर जाएंगे, तो वह इस प्रक्रिया को शुरू करने का माकूल मौका होगा। आयोग ने एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से निकाले गए वैध मतदाताओं के नाम वापस शामिल करने के अभियान की घोषणा कर उचित कदम उठाया है। अब उसे विपक्षी खेमों की अन्य मांगों भी पर ठोस कदम उठाना चाहिए। उधर केंद्र को निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट के पूर्व आदेश मुताबिक करने के लिए कानून में उचित बदलाव लाना चाहिए। सिर्फ ऐसे कदमों से ही देश को राजनीतिक अस्थिरता से बचाया जा सकेगा।

असहमति और अराजकता में अंतर

६

कांग्रेस का रवैया एकदम स्पष्ट है कि जब-जब संस्थाएं उसकी मर्जी के अनुसार काम नहीं करेंगी, तब-तब वह उनकी वैधता को ही कठघरे में खड़ा कर देगी। कांग्रेस की च्योस्ट-ट्रुथज् की राजनीति का शिकार राष्ट्रीय सुरक्षा भी हुई है। 2019 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राफेल मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का गलत हवाला दिया था, जिसके लिए उन्हें बिना शर्त माफी भी मांगनी पड़ी थी। राहुल गांधी ने यह भ्रामक दावा भी किया था कि भारत की जमीन पर दूसरे देश ने कब्जा कर लिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर उन्हें फटकार लगाते हुए कहा था कि एक सच्चा भारतीय कभी ऐसा नहीं कहेगा। लोकतंत्र में किसी फैसले पर असहमति तो व्यक्त की जा सकती है, लेकिन उस असहमति का आधार झूठ नहीं हो सकता न ही उसका लक्ष्य अराजकता फैलाना हो सकता है। बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर की यह सीख इस संदर्भ में और भी प्रासंगिक हो जाती है, जिसमें उन्होंने चेताया था कि असंवैधानिक तरीकों के प्रयोग से पैदा होने वाले खतरे बहुत विध्वंसक हो सकते हैं। विपक्ष के नेताओं को डा. आंबेडकर के 'ग्रामर आफअनार्की' पर केंद्रित उस ऐतिहासिक भाषण का निश्चित ही संज्ञान लेना चाहिए और लोकतंत्र में असहमति तथा अराजकता के बीच के अंतर को समझना चाहिए। हमारे अनुसार एक जीवंत लोकतंत्र का आधार सिर्फ राजनीतिक समानता नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक न्याय भी है। यही हमारी सरकार के सभी फैसलों का आधार भी है।

७

राजनाथ सिंह

एक कहावत है कि युद्ध में अक्सर सबसे पहली बलि सत्य की चढ़ती है। अब यही बात धीरे-धीरे राजनीतिक परिदृश्य एवं प्रतिस्पर्धा पर भी लागू होती दिख रही है। इस संदर्भ में च्योस्ट-ट्रुथज् सार्वजनिक विमर्श का एक बड़ा आयाम बनता जा रहा है। च्योस्ट-ट्रुथज् उस स्थिति को कहते हैं, जिसमें सत्य और तथ्य की जगह मनगढ़ंत नैरेटिव ले लेते हैं। एक समय च्योस्ट-ट्रुथज् अकादमिक बहस तक ही सीमित था, पर आज यह आम राजनीति का हिस्सा बनता जा रहा है। भ्रामक सूचनाओं और फर्जी नैरेटिव के जरिये सिर्फ जनमत को ही प्रभावित नहीं किया जा रहा, बल्कि शक और संदेह के बीज बोकर उन संस्थाओं को भी बदनाम किया जा रहा है, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद होती हैं। च्योस्ट-ट्रुथज् के प्रभाव में कपोल-कल्पित बातों को तब तक दोहराया जाता है, जब तक वे सच जैसी प्रतीत न होने लगें। ऐसी स्थिति में सत्य केवल कमजोर और धुंधला ही नहीं पड़ता, बल्कि धीरे-धीरे झूठ ही सच का रूप लेने लगता है।

आज जब कांग्रेस और विपक्ष के कुछ नेता जानबूझकर विवाद खड़े करने, दुष्प्रचार और झूठे दावों के जरिये अराजकता का माहौल बनाने में जुटे हैं, तो यह साफदिखाई देता है कि भारत का राजनीतिक विमर्श भी



च्योस्ट-ट्रुथज् की इस प्रवृत्ति से अछूता नहीं। ऐसा नहीं है कि लोकतंत्र में संवैधानिक संस्थाएं आलोचना से परे होती हैं। वैचारिक मतभिन्नता के कारण लोकतंत्र में असहमति और मतभेद स्वाभाविक भी हैं और आवश्यक भी, परंतु इसके साथ ही एक च्सोशल काट्रैक्टज् भी जुड़ा होता है कि व्यक्तिगत, राजनीतिक या दलगत हितों से ऊपर राष्ट्रीय हितों को रखा जाए। आज जब इस अनुबंध पर ही प्रहार किया जा रहा है तब सच्चाई को सामने लाना आवश्यक है।

पिछले कुछ समय से विपक्षी दल कभी इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन-ईवीएम में गड़बड़ी तो कभी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर को लेकर निर्वाचन आयोग की छवि को धूमिल करने में लगे हैं। वर्ष 2024 में च्एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स बनाम भारतीय चुनाव आयोगज् मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने ईवीएम से जुड़ी सभी आशंकाओं को विराम देते हुए बैलेट पेपर की व्यवस्था पर लौटने की मांग को खारिज कर दिया था। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया था कि ठोस तथ्यों या आंकड़ों के बिना केवल संदेह के आधार पर चुनावी प्रक्रिया को लेकर बार-बार संदेह जताना निंदनीय और अवांछनीय है। इसके बावजूद आज तक ईवीएम पर संदेह पैदा करने का काम बंद नहीं किया गया है। इस सत्य को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि अतीत में अलग-अलग सरकारों के दौरान भी एसआइआर की प्रक्रिया जारी रही। सर्वोच्च न्यायालय ने 2025 के निर्णय में साफकहा है कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों की एक बुनियादी शर्त मतदाता सूचियों की शुद्धता है। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि मतदाता सूची की सटीकता, पूर्णता और अखंडता सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग का संवैधानिक दायित्व है, पर च्योस्ट-ट्रुथज् के इस दौर में इस सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया को भी राजनीतिक विरोध का हथियार बनाकर लोगों के मन में संदेह पैदा करने का काम किया जा रहा है। विपक्ष के इस दुष्प्रचार के तहत न केवल मुख्य चुनाव आयुक्त को निशाना बनाया जा रहा है, बल्कि चुनाव आयोग जैसी विश्वसनीय और निष्पक्ष संवैधानिक संस्था की साख को भी क्षति पहुंचाई जा रही है। यह सब तब किया जा रहा है जब मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया में नेता-प्रतिपक्ष भी शामिल होते हैं। याद रहे कि कांग्रेस की सरकारों के समय में मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति मनमाने ढंग से की जाती थी और उसमें किसी की राय तक नहीं ली जाती थी। कांग्रेस द्वारा संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और स्वतंत्रता का अपमान करने का एक लंबा इतिहास रहा है। जब देश में पहला आम चुनाव भी नहीं हुआ था कि तत्कालीन सरकार ने संविधान संशोधन द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले को पलट कर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पाबंदियां बढ़ा दी थीं। आपातकाल का कलंकित अध्याय और उसमें नागरिकों के निर्ममता से दमन तो कभी भूले नहीं भुलाया जा सकता।

संवैधानिक संस्थाओं की साख पर हमला

शिवकांत शर्मा

राष्ट्रीय संस्थाओं की साख भी मोती और मनुष्य की आब जैसी होती है कि एक बार गई तो बहाल नहीं होती। विशेषकर संवैधानिक और नियामक संस्थाओं की साख, जिन पर लोकतंत्र की इमारत टिकी है। देश की स्थिरता के लिए इनकी साख बनाए रखना आवश्यक है, लेकिन लोकतंत्र में सत्ता दो ही तरह से हासिल की जा सकती है। सरकार की विफलताएं उजागर करते हुए जनता के सामने बेहतर नीतियां रखकर या फिर जिन संवैधानिक संस्थाओं के सहारे देश चल रहा है, उनके कामकाज की वैधता पर सवाल उठाकर। विपक्ष की रणनीति यही लगती है। उसका उद्देश्य तथ्य और प्रमाण रखे बिना संवैधानिक संस्थाओं के निर्णयों पर जनता के मन में केवल संदेह पैदा करना है। जैसे अदालतों में बचाव पक्ष अभियोग पक्ष के आरोपों पर संदेह पैदा करता है। उसे आशा है कि बाकी का काम जूरी की तरह जनता कर देगी और उनकी राह आसान हो जाएगी।

मोदी सरकार की वैधता को चुनौती देने के लिए संवैधानिक संस्थाओं के काम पर सवाल उठाने की रणनीति राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और उसके गठबंधन ने उसके पहले कार्यकाल से ही अपना ली थी। नोटबंदी और फ्रांस के साथ हुए राफेल विमान सौदे पर विपक्ष ने महालेखापरीक्षक कैग पर आडिट



रिपोर्टें सरकार की सुविधानुसार जारी करने के आरोप लगाए। राफेल सौदे में घूसखोरी साबित न होने पर भी राहुल गांधी न केवल 'चौकीदार चोर है' जैसे नारे लगाते रहे, बल्कि यह आभास देने की कोशिश भी की कि जैसे सर्वोच्च अदालत उनके आरोपों से सहमत थी। उसके बाद पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई को राज्यसभा के लिए मनोनीत करने को लेकर विवाद उठा। उसे राम मंदिर मामले में निर्णय देने का पुरस्कार बताया गया। सरकार ने रंगनाथ मिश्रा को राज्यसभा में निर्वाचित कराने जैसे पुराने निर्णयों की याद दिलाकर बचाव करने की कोशिशें कीं, लेकिन उनसे सर्वोच्च न्यायालय की साख पर उठे संदेह कितने दूर हो पाए, यह कहना कठिन है। भारत दुनिया के उन मुट्ठी भर बड़े लोकतांत्रिक देशों में प्रमुख है, जहां चुनाव आयोग जैसी संस्था राष्ट्रीय स्तर पर सारे चुनाव कराती है और स्वायत्त रूप से काम करती है। इसलिए उसका निरंतर या फिर अप्रत्याशित हार से हताश विपक्ष के निशाने पर आना स्वाभाविक है। यहां उल्लेखनीय है कि 2023 तक चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिमंडल की सिफारिश से होती थी, जिसकी वजह से आयोग पर सरकार के दबाव में काम करने के आरोप लगते रहते थे। मार्च 2023 में सर्वोच्च न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ ने सरकारी सिफारिश से नियुक्ति की परंपरा को समाप्त करते हुए नियुक्ति के लिए एक तीन सदस्यीय अंतरिम समिति का गठन किया, जिसमें मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री और लोकसभा में नेता-प्रतिपक्ष को शामिल किया गया। मोदी सरकार ने उसी साल दिसंबर में विधेयक पारित करके इस समिति में मुख्य न्यायाधीश की जगह प्रधानमंत्री द्वारा नामित कैबिनेट मंत्री को दे दी। सरकार का यह कदम चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर विपक्ष के संदेह की जड़ बन गया। ऐसे माहौल में बिहार, बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों के चुनावों से पहले मतदाता सूचियों के शोधन की एसआईआर प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी ने संदेह की आग में घी का काम किया। लोकतंत्र में जितना जरूरी जनादेश की वैधता के लिए अवैध मतदान को रोकना है, उतना ही जरूरी वैध मतदाताओं के मताधिकार को सुनिश्चित करना होता है। कटे नामों में मृतकों और विस्थापितों को छोड़कर कितने अवैध और घुसपैठिए थे, इसका आंकड़ा आयोग अभी तक नहीं दे पाया। हालांकि, हजारों वैध वोटरों के नाम कटने के मामले सामने आए हैं, जिनमें तमाम गणमान्य लोग भी हैं। आनलाइन वोटर पंजीकरण फार्म में अर्हता प्रमाणित करने के लिए अतिरिक्त सूचना के अनुच्छेद में तीनों आयुक्तों की सहमति थी या नहीं इसे लेकर और सूची से नाम कटवाने के लिए कोई कितने फार्म भर सकता था, इसे लेकर संदेह बना हुआ है। पता नहीं आयोग यह जानते हुए भी क्यों चुप्पी साधे है कि जनादेश की विश्वसनीयता उसकी साख पर टिकी है और सरकार की साख जनादेश की विश्वसनीयता पर, जिसके बिना कोई भी सरकार सुधार करना तो दूर सामान्य कामकाज भी नहीं चला सकती।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ऑफिस के किसी काम के कारण आपकी अचानक यात्रा हो सकती है। आज आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा।

वृष राशिःआज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी विपरीत परिस्थिति में अपने धैर्य को बनायेंगे रखेंगे आपकी स्थितियां जल्द ही सुधरती नज़र आएँगी।

मिथुन राशिःवालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है 7 आज आप कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं जो आपकी आर्थिक स्थिति और घर की व्यवस्था ठीक रखने में सहायक हो सकते हैं।

कर्क राशिःआज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। पिता का आशीर्वाद आप पर बना रहेगा। अपनी उर्जा से आप बहुत कुछ हासिल करेंगे बस अपनी काबिलियत पर भरोसा करें।

सिंह राशिःआज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज कामकाज को पूरी गंभीरता से करेंगे। घर के वरिष्ठ लोगों का सहयोग भी बना रहेगा। कार्यस्थल पर वास्तु के नियम का पालन करने से सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।

कन्या राशिःआज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। सेहत के लिहाज से आप खुद को तंदरुस्त महसूस करेंगे। आज किसी के साथ बेवजह की बहसबाजी में ना पड़ें।

तुला राशिःआज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज कुछ महत्वपूर्ण मामलों में फैसला ले सकते हैं। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि हो सकती है।

वृश्चिक राशिःआज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने कामों में ही व्यस्त रहें और बेवजह की गतिविधियों में रुचि न लें। आज का दिन आपके लिए अनुकूल है।

धनु राशिःआज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ समय अपने पारिवार के लिए निकालना रिश्ते में मधुरता लाएगा। आज व्यवसाय संबंधी कोई भी डील मिले तो उसे हासिल करने में ज्यादा सोच-विचार ना करें।

मकर राशिःआज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। कुछ समय से चल रही पारिवारिक समस्याएं निपटने से घर में सुकून और शांति पूर्ण माहौल रहेगा।

कुंभ राशिःआज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज कार्यस्थल पर अधिक मेहनत करनी होगी, अपनी कार्य क्षमता में कमी न आने दें। आज रुका हुआ पैसा मिलने से आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

मीन राशिःआज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है।आज आपका काफी दिनों से रुका काम पूरा हो जायेगा। जो काम पिछले काफी समय से रुके हुए या अटके हुए थे, आज वह कम मेहनत से ही सफल हो सकते है।

सू- दोकू क्र.196

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.195 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

शब्द सामर्थ्य -196

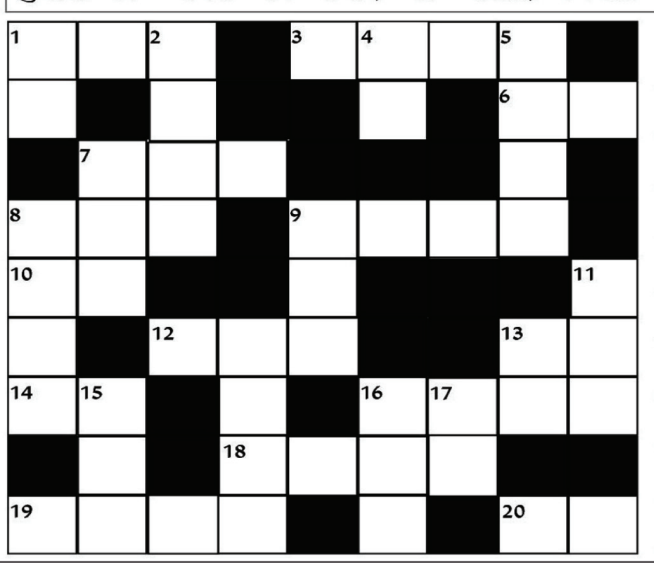
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 195 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

विजयादशमी का पर्व सत्य, धर्म और मर्यादा की जीत का प्रतीक है : भावना बोहरा

पंडरिया (दैनंदिनी ब्यूरो)। विजयादशमी के पावन अवसर पर माँ महामाया दुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में पीएमश्री स्वामी आत्मानंद स्कूल मैदान में भव्य दशहरा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंडरिया विधायक भावना बोहरा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए आयोजन की भव्यता और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के लिए आयोजन समिति एवं नगरवासियों को बधाई दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध गायिका श्वेता महिमा दास और गायक नवीन साहू द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। हजारों की संख्या में उपस्थित नगर एवं क्षेत्रवासियों ने उत्साह और उल्लास के साथ इस पर्व में सहभागिता की।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि विजयादशमी का पर्व हमें स्मरण कराता है कि जीवन में वास्तविक जीत सत्य, सदाचार और धर्म के मार्ग पर चलने से प्राप्त होती है। प्रभु श्रीराम का जीवन त्याग, मर्यादा, कर्तव्यनिष्ठा और लोककल्याण की अनुपम मिसाल है। उनके आदर्श हमें सिखाते हैं कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, अपने सिद्धांतों और कर्तव्यों से कभी विमुख नहीं होना चाहिए। यह पर्व हमें अपने भीतर की बुराइयों को पहचानने, अहंकार का त्याग करने और समाज में प्रेम, सहयोग एवं भाईचारे की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है।

भावना बोहरा ने कहा कि दशहरा केवल रावण दहन अथवा उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि स्वयं के आचरण का मूल्यांकन करने और समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझने का भी पर्व है। भगवान श्रीराम ने अपने आचरण से सिद्ध किया कि मर्यादा, न्याय और जनकल्याण ही आदर्श जीवन के आधार हैं। यदि हम उनके बताए मार्ग पर चलें, तो परिवार से लेकर समाज और राष्ट्र



तक सकारात्मक परिवर्तन की मजबूत नींव रख सकते हैं। हमारी सांस्कृतिक परंपराएं हमें एकजुट रहने, एक-दूसरे का सम्मान करने और समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने की प्रेरणा देती हैं।

उन्होंने कहा कि पंडरिया विधानसभा की सेवा और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हमारे लिए केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनसेवा का संकल्प है। इसी भावना के साथ क्षेत्र में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत सुविधाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से विकास को नई गति देने के प्रयास किए जा रहे हैं। आज पंडरिया विधानसभा में सड़कों का जाल बिछ रहा है, वनांचल क्षेत्रों तक सुविधाएं पहुंच रही हैं, विकास व अधोसंरचना निर्माण कार्य हो रहें हैं और क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित मांगे पूरी हो रही हैं एवं जनता की मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हो रहा है।प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन सरकार बनने के बाद सुशासन, जनहित और विकास को प्राथमिकता देते हुए कार्य किए जा रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि पंडरिया विधानसभा का प्रत्येक गांव और प्रत्येक नागरिक विकास की मुख्यधारा से जुड़े तथा क्षेत्र में समृद्धि, सुविधाओं और खुशहाली का विस्तार हो। भावना बोहरा ने कहा कि आज निःशुल्क बस सेवा के माध्यम से बेटियां शिक्षा ग्रहण कर रहीं हैं, लक्ष्य निःशुल्क कोचिंग से युवा अपने सपनों को साकार कर रहें हैं, भावना दीदी की साइंस पाठशाला से शासकीय स्कूल के विद्यार्थी ड्रोन उड़ा रहें हैं और रोबोटिक्स एवं आधुनिक शिक्षा प्राप्त कर रहें हैं। 8 निःशुल्क एमबुलेंस सेवा से हजारों लोगों को आपातकालीन समय में सहायता मिल रही है,मोबाइल हेल्थ पैथ लैब से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा मिल रही है। यह सभी सेवाएं और सुविधाएं पंडरिया विधानसभा के आप सभी मेरे परिवारजनों के प्रति उस विश्वास का संकल्प है जो आपने मुझे अपनी सेवा करने का अवसर प्रदान किया है। हम निरंतर क्षेत्र के विकास और आप सभी के सेवा के लिए अपने संकल्पों एवं कर्तव्यों को पूरा करने के लिए प्रयास करते रहेंगे। इस अवसर भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि सहित आयोजन समिति के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

गांधी चौक में चल रहा था सट्टे का खेल : राजहरा पुलिस की रेड, 8800 नगद और सट्टा-पट्टी के साथ 3 पकड़ाए

बालोद(दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले में अवैध जुआ और सट्टे के कारोबार पर नकेल कसने के लिए बालोद पुलिस द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में राजहरा थाना पुलिस ने गांधी चौक वार्ड में एक बड़े अवैध सट्टा नेटवर्क पर दबिश दी है। पुलिस ने मौके से सट्टा-पट्टी लिख रहे तीन आरोपियों को रंगे हाथों धर दबोचा, जबकि मुख्य संचालक हर बार की तरह इस बार भी पुलिस के पहुंचने पर नदारद मिला। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सट्टा सामग्री और हजारों रुपये की नगद रकम जप्त की है।

पुलिस प्रशासन को लगातार यह शिकायतें मिल रही थीं कि दल्ली राजहरा के गांधी चौक वार्ड (वार्ड क्रमांक 20) में एक दिव्यांग व्यक्ति खिलावन दास साहू द्वारा खुलेआम अवैध सट्टा कारोबार संचालित किया जा रहा है। हालांकि, जब भी राजहरा पुलिस रेड कार्रवाई के लिए पहुँचती थी, सटोरिया खिलावन दास साहू पुलिस के आने से पहले ही फरार हो जाता था।

इस बार राजहरा पुलिस ने सटोरिए को दबोचने के लिए एक खास रणनीति के तहत योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की। दिनांक 19 अक्टूबर 2026 को पुलिस ने वार्ड क्रमांक 20, गांधी चौक में अचानक रेड मारी। हर बार की तरह इस बार भी मुख्य सटोरिया खिलावन दास साहू मौके से नदारद मिला। लेकिन उसके कारोबार को संभाल रहे उसके पिता गोपाल दास साहू सहित दो अन्य व्यक्ति मौके पर सट्टा-पट्टी लिखते हुए धरे गए।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक बालोद किरण गंगाराम चव्हाण एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंद्रकांत गवर्ना के निर्देशन तथा नगर पुलिस अधीक्षक राजहरा विकास पाटले के मार्गदर्शन तथा राजहरा थाना प्रभारी निरीक्षक सुनील तिर्की के निरीक्षण में थाना राजहरा पुलिस द्वारा की गई।

छापामार कार्यवाही के दौरान पुलिस ने मौके से सट्टा-पट्टी और कुल ₹8,800 नगद रकम जप्त की है। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों का पूरा विवरण निम्नलिखित है जिनमें गोपाल दास साहू (पिता - स्वर्गीय सोनकर दास साहू, उम्र - 65 वर्ष, निवासी - वार्ड क्रमांक 20, राजहरा, थाना राजहरा, जिला बालोद) — आरोपी के कब्जे से सट्टा-पट्टी एवं ₹5,400 नगद जप्त किया गया।

कलेक्टर के निर्देश पर ग्राम नंदनी-कुमान में घर-घर स्वास्थ्य परीक्षण एवं सर्वे



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम नंदनी-कुमान में घर-घर पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण एवं सर्वे किया गया। अभियान के तहत गांव के प्रत्येक बच्चे के स्वास्थ्य की जांच की गई, ताकि बच्चों में किसी भी प्रकार की बीमारी, कुपोषण अथवा शारीरिक कमजोरी के लक्षण पाए जाने पर समय रहते आवश्यक उपचार एवं स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान बच्चों के स्वास्थ्य की स्थिति का आकलन करते हुए उनकी आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान दिया गया। इस पहल का उद्देश्य बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति की जानकारी प्राप्त करना, संभावित स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान करना तथा जरूरत के अनुसार उपचार और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना है। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर श्री सागर सिंह राज, श्रीमती शिल्पा देवांगन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.के. तुर्रे ने क्षेत्र की मितानिनों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं ग्रामवासियों के साथ चर्चा की। उन्होंने जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली।

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27: जिले के सभी 145 धान उपार्जन केंद्रों में 22 अक्टूबर को होगा गैपिंग आदेश का वाचन

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत कबीरधाम जिले के सभी 145 पुराने एवं नवीन सहकारी समितियों तथा धान उपार्जन केंद्रों में ग्रामों के संलग्नीकरण से संबंधित गैपिंग आदेश का वाचन 22 अक्टूबर 2026, गुरुवार को किया जाएगा। इसके लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्धारित तिथि पर उपस्थित होकर वाचन की प्रक्रिया संपन्न कराने के निर्देश दिए गए हैं। गैपिंग आदेश के वाचन के दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि संबंधित समितियों एवं उपार्जन केंद्रों में ग्रामों का संलग्नीकरण किसानों की सुविधा के अनुरूप एवं सर्वमान्य हो। वाचन के दौरान आवश्यकतानुसार संशोधन के प्रस्ताव भी प्रस्तुत किए जा सकेंगे, ताकि किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। आदेश के वाचन एवं आवश्यक संशोधन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद किसी भी प्रकार का संशोधन मान्य नहीं किया जाएगा। वाचन कार्य संबंधित समिति से संलग्न ग्रामों के सभी ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न होगा। संबंधित अधिकारी नोडल अधिकारी के रूप में तथा ग्राम पंचायतों के सभी सचिव सहायक नोडल अधिकारी के रूप में दायित्वों का निर्वहन करेंगे। गैपिंग आदेश की सूची का वाचन संबंधित ग्रामों के सरपंच, पंचगण, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं किसानों की उपस्थिति में किया जाएगा, जिससे ग्रामों के संलग्नीकरण की प्रक्रिया पारदर्शी एवं सर्वमान्य तरीके से संपन्न हो सके। इस कार्य के लिए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, राजनांदगांव, परिक्षेत्र कवर्धा को नोडल विभाग नामित किया गया है। संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित तिथि को अपने-अपने क्षेत्र की सहकारी समितियों में उपस्थित होकर वाचन कार्य संपादित कराना सुनिश्चित करेंगे।

सहायक संचालक को कारण बताओ नोटिस

धमतरी। जिले में मछलीपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध न्यून प्रगति तथा हितग्राहीमूलक योजनाओं के क्रियान्वयन में अपेक्षित उपलब्धि नहीं होने पर कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने सहायक संचालक, मछलीपालन एम.एस. कमल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उन्हें नोटिस प्राप्ति के तीन दिवस के भीतर सभी बिंदुओं पर तथ्यात्मक एवं अभिलेखीय साक्ष्यों सहित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

दिनांक 28 अक्टूबर को कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली समीक्षा बैठक के लिए प्रस्तुत विभागीय प्रगति रिपोर्ट के अवलोकन में कई महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति असंतोषजनक पाई गई। वित्तीय वर्ष 2026-27 में जिले के लिए निर्धारित 37,993.54 मीट्रिक टन मत्स्य उत्पादन लक्ष्य के विरुद्ध 21,277.37 मीट्रिक टन उत्पादन दर्ज किया गया है।

विजयादशमी के पावन अवसर पर पुलिस लाइन बालोद में विधिवत शस्त्र पूजन एवं हवन का आयोजन

पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चव्हाण ने समस्त जिलेवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। विजयादशमी के पावन अवसर पर दिनांक 20 अक्टूबर 2026 को पुलिस लाइन बालोद में शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक बालोद किरण गंगाराम चव्हाण (भा.पु.से.) के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विधि-विधान से शस्त्रागार में रखे शस्त्रों एवं शासकीय वाहनों का पूजन किया गया। मंत्रोच्चार एवं हवन के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए सुख, समृद्धि एवं शांति की कामना की गई। विजयादशमी के अवसर पर शस्त्र पूजन भारतीय परंपरा में शक्ति, साहस एवं कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है। इस अवसर पर पुलिस बल द्वारा शस्त्रों का विधिवत पूजन कर जनसेवा, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के अपने संकल्प को दोहराया गया।



शस्त्र एवं वाहन पूजन के पश्चात समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं अन्य अधिकारियों द्वारा किया गया हर्ष फायर। शस्त्रों एवं शासकीय वाहनों के पूजन के पश्चात समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं अन्य अधिकारियों द्वारा हर्ष फायर किया गया। यह आयोजन पुलिस बल की परंपरा, साहस एवं कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक के रूप में संपन्न हुआ।

विजयादशमी की परंपरा का पालन करते हुए बालोद जिले के समस्त थाना, चौकियों एवं शस्त्रागारों में भी शस्त्रों की साफ-सफाई एवं विधिवत पूजा-अर्चना की गई। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साह और श्रद्धा के साथ इस परंपरा में सहभागिता की।

शस्त्र पूजन कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चव्हाण (भा.पु.से.), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चन्द्रकांत गवर्ना, एसडीओपी बोनिफास एक्का, एसडीओपी विनय कुमार, एसडीओपी श्रीमती श्रुति सिंह एवं रक्षित निरीक्षक श्रीमती रेवती वर्मा सहित पुलिस लाइन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चव्हाण (भा.पु.से.) ने विजयादशमी के पावन अवसर पर जिले के समस्त नागरिकों, पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए पर्व को आपसी सौहार्द, भाईचारे एवं सद्भाव के साथ मनाने की अपील की। साथ ही पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं कर्तव्यपरायणता के साथ जनसेवा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु सदैव तत्पर रहने के लिए प्रेरित किया।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की पहल से कबीरधाम में प्रदेश में सबसे ज्यादा 48 नई समितियां का गठन

जिले में 37 नए धान खरीदी केंद्र भी खुले, किसानों को घर के नजदीक धान बेचने की मिलेगी सुविधा



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। किसानों को धान बेचने के लिए दूर न जाना पड़े और उन्हें अपने क्षेत्र में ही खरीदी की सुविधा मिले, इसके लिए कबीरधाम जिले में सहकारी समितियों का विस्तार किया गया है। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा की पहल से जिले में प्रदेश में सर्वाधिक 48 नई सहकारी समितियों का गठन किया गया है। इसके साथ ही 37 नए धान उपार्जन केंद्र भी खोले गए हैं। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए प्रदेश में कुल 525 नई सहकारी समितियां गठित की गई हैं, जिनमें सबसे अधिक 48 समितियां कबीरधाम जिले में हैं।

नई समितियों और खरीदी केंद्रों से किसानों को धान बेचने के लिए नजदीकी विकल्प मिलेंगे। इससे दूर के केंद्रों तक धान ले जाने में लगने वाले समय और परिवहन खर्च में कमी आएगी। जिले में धान खरीदी व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए प्रशासन ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत धान खरीदी कार्य के सुचारू, व्यवस्थित एवं पारदर्शी संचालन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने धान खरीदी की तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने तथा किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

धान खरीदी व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए जिले के सभी 145 पुराने एवं नवीन सहकारी समितियों तथा धान उपार्जन केंद्रों में ग्रामों के संलग्नीकरण से संबंधित गैपिंग आदेश का वाचन 22 अक्टूबर 2026, गुरुवार को किया जाएगा। इस दौरान संबंधित ग्रामों के सरपंच, पंचगण, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं किसानों की उपस्थिति में सूची का वाचन किया जाएगा। वाचन प्रक्रिया के दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि समितियों एवं उपार्जन केंद्रों में ग्रामों का संलग्नीकरण किसानों की सुविधा के अनुरूप एवं सर्वमान्य हो। आवश्यकतानुसार संशोधन के प्रस्ताव भी प्रस्तुत किए जा सकेंगे। निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद किसी भी प्रकार का संशोधन मान्य नहीं होगा।

इस कार्य के लिए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, राजनांदगांव, परिक्षेत्र कवर्धा को नोडल विभाग नामित किया गया है। संबंधित ग्रामों के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी नोडल अधिकारी तथा ग्राम पंचायत सचिव सहायक नोडल अधिकारी के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। जिले में नवीन समितियों के गठन एवं नए धान उपार्जन केंद्रों की स्थापना से किसानों को स्थानीय स्तर पर धान विक्रय की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। प्रशासन द्वारा धान खरीदी व्यवस्था को व्यवस्थित बनाने तथा किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं।

धीमी प्रगति पर उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं को कारण बताओ नोटिस

धमतरी। जिले में कृत्रिम गर्भाधान एवं वत्सोत्पादन कार्यक्रमों में निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध कम उपलब्धि और राज्य स्तर पर जिले की कमजोर रैंकिंग को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. अवधेश मरकाम को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उन्हें नोटिस प्राप्ति के तीन दिवस के भीतर बिंदुवार तथ्यात्मक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में 28 अक्टूबर को प्रस्तावित समीक्षा बैठक के लिए प्रस्तुत प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, जिले में कृत्रिम गर्भाधान के निर्धारित लक्ष्य 39,400 के विरुद्ध मात्र 7,773 की उपलब्धि (19.72 प्रतिशत) तथा वत्सोत्पादन के लक्ष्य 8,142 के विरुद्ध 2,264 की उपलब्धि (27.80 प्रतिशत) दर्ज की गई है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से 5 हजार 471 हितग्राहियों को हो रही है बिजली की बचत

महासमुंद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा में जनकल्याण और आत्मनिर्भरता को हमेशा प्राथमिकता मिली है। इसी सेवा भाव को आगे बढ़ाते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। योजना के माध्यम से घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कर परिवार अपनी बिजली की जरूरतें और बिजली बिल में बचत के साथ स्वच्छ एवं अक्षय ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा दे रहे हैं। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 5 किलोवाट तक के सोलर रूफटॉप सिस्टम पर केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार रुपए तथा राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपए तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। इससे सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का खर्च कम हो रहा है और आम परिवारों को दीर्घकालिक आर्थिक राहत मिल रही है। महासमुंद जिले में अब तक 9 हजार 683 नागरिकों ने योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया है, जिनमें से 5 हजार 471 हितग्राही योजना से लाभान्वित हो चुके हैं।

महासमुंद निवासी दिनेश साहू ने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना के माध्यम से उन्हें नियमित और सस्ती ऊर्जा उपलब्ध हो रही है। सोलर पैनल स्थापित होने के बाद उनके बिजली बिल में काफी कमी आई है, जिससे परिवार की आर्थिक बचत बढ़ी है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)
निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

एन.आई.ई.टी. क्र. / सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रु. (लाख में)
1	2	3
234/200644	Construction of Additional Staff Room in G.F. & F.F. & Lift Work in State Forensic Science Laboratory Campus at Raipur Under Maintenance Sub-Division Raipur (C.G.) (प्रथम आमंत्रण)	रू. 21.49 लाख
233/201971	Miscelleneous Maintenance Work at Chhattisgarh Rajya Suchna Ayog Office Building Sector-19 Nava Raipur, Atal Nagar (प्रथम आमंत्रण)	रू. 75.00 लाख
232/201972	Construction of Approch Road for Govt. I.T.I. Arang, Distt. Raipur Length 0.33 Km. (प्रथम आमंत्रण)	रू. 59.54 लाख
231/201973	Construction of Boundary Wall With Barbed at Top in Govt. Women's I.T.I. Campus, at Saddu Raipur (C.G.) (प्रथम आमंत्रण)	रू. 27.60 लाख
143/202107	Balance Work Outer Boundry Wall Around Mahila Jail and Side of Phe office at Central Jail, Raipur.C.G. (तृतीय आमंत्रण)	रू. 68.03 लाख

एन.आई.ई.टी. क्र.234 सिस्टम टेन्डर नं. 200644, एन.आई.ई.टी. क्र.233 सिस्टम टेन्डर नं. 201971, एन.आई.ई.टी. क्र.232 सिस्टम टेन्डर नं. 201972 एवं एन.आई.ई.टी. क्र.231 सिस्टम टेन्डर नं. 201973 निविदा डाउनलोड़ करने की अंतिम तिथि दिनांक 04.11.2026 समय सायं 5:30 बजे तक एवं एन.आई.ई.टी. क्र.143 सिस्टम टेन्डर नं. 201973 निविदा डाउनलोड़ करने की अंतिम तिथि दिनांक 26.10.2026 समय सायं 5:30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग,
रायपुर मंडल क्रं.-1, रायपुर (छ.ग.)

जी- 262704108/1

अर्शदीप सिंह के पास इतिहास रचने का मौका न्यूजीलैंड में झटकने होंगे सिर्फ 5 विकेट

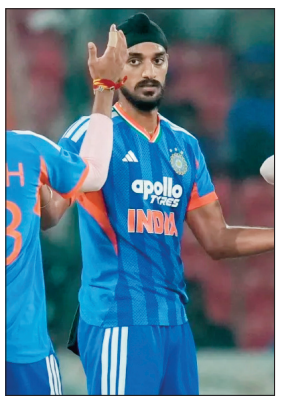
नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इस समय न्यूजीलैंड में हैं। टीम इंडिया के न्यूजीलैंड दौरे का 22 अक्टूबर से आगाज होने जा रहा है। दोनों टीमों के बीच सबसे पहले 5 मैचों की T20I सीरीज खेली जाएगी, जिसमें भारतीय गेंदबाजों की कड़ी परीक्षा होगी। इस दौरान भारतीय स्टार तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के पास इतिहास रचने का शानदार मौका होगा।

दरअसल, अर्शदीप सिंह T20I क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले भारतीय गेंदबाज हैं। उनके आसपास भी कोई नहीं हैं। ऐसे में अर्शदीप न्यूजीलैंड के खिलाफ T20I सीरीज में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। अर्शदीप अगर T20I सीरीज में 5 विकेट चटकाने में सफल होते हैं, तो वह T20I क्रिकेट के इतिहास में 150 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे। अब तक सिर्फ दुनिया के 8 गेंदबाज ही 150 या उससे ज्यादा विकेट हासिल कर सके हैं।

T20I क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

राशिद खान - 197
आदिल राशिद - 171
एहसान खान - 165
ईश सोढ़ी - 165
टिम साउदी - 164
वानिंदु हसरंगा - 163
मुस्तफिजुर रहमान - 163
एडम जम्पा - 153
शाकिब अल हसन - 149
रिजवान बट - 148
अर्शदीप सिंह - 145

गौरतलब है कि 27 साल के अर्शदीप सिंह ने जुलाई 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ T20I में डेब्यू किया था। तब से अब तक वह 99 T20I मैचों की 95 पारियों में 20.30 के औसत से 145 विकेट चटका चुके हैं। इस



दौरान उन्होंने 2 बार चार विकेट और 1 बार 5 विकेट हॉल लेने का कारनामा किया है। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले T20I मैच में उतरने के साथ ही वह 100 T20I मैच खेलने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो जाएंगे। भारत की ओर से अब तक सिर्फ 6 खिलाड़ियों ने 100 या उससे ज्यादा T20I मैचों में शिरकत की है। इनमें टॉप पर पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का नाम है।

T20I क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी

रोहित शर्मा - 159
हार्दिक पांड्या - 138
विराट कोहली - 125
सूर्यकुमार यादव - 113
अक्षर पटेल - 112
जसप्रीत बुमराह - 100
अर्शदीप सिंह - 99

न्यूजीलैंड के खिलाफ T20I सीरीज के लिए भारतीय टीम का स्क्वाडः श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उप-कप्तान), शिवम दुबे अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव।

ICC के बड़े टूर्नामेंट का शेड्यूल घोषित, बांग्लादेश और नेपाल करेंगे मेजबानी, अलग-अलग ग्रुप में भारत और पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला क्रिकेट में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए दुनिया भर की युवा खिलाड़ियों को एक बार फिर बड़ा मंच मिलने जा रहा है। ICC अंडर-19 महिला T20 वर्ल्ड कप 2027 के शेड्यूल घोषित कर दिया गया है। अगले साल होने वाले इस टूर्नामेंट की मेजबानी बांग्लादेश और नेपाल संयुक्त रूप से करेंगे। 21 जनवरी से शुरू होने वाले इस वर्ल्ड कप में 16 टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी। मौजूदा चैंपियन भारत अपने अभियान की शुरुआत वेस्टइंडीज के खिलाफ करेगा। यह इस टूर्नामेंट का तीसरा संस्करण होगा। इसकी शुरुआत 2023 में हुई थी। आगामी वर्ल्ड कप में कुल 41 मुकाबले खेले जाएंगे, जिनका आयोजन दोनों देशों के चार मैदानों पर किया जाएगा।

चार ग्रुप में बांटी गईं 16 टीमें

टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है और हर ग्रुप में चार टीमें होंगी। भारत और पाकिस्तान एक ग्रुप में नहीं रखा गया है। ग्रुप ए में भारत, आयरलैंड, वेस्टइंडीज और मेजबान नेपाल को रखा गया है। ग्रुप बी में साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और समोआ की टीमें होंगी। ग्रुप सी में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, नाइजीरिया



और संयुक्त अरब अमीरात यानी UAE शामिल हैं। वहीं, ग्रुप डी में इंग्लैंड, श्रीलंका, अमेरिका और स्कॉटलैंड को जगह मिली है।

टूर्नामेंट का आगाज 21 जनवरी को होगा। पहले ही दिन चार मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें 8 टीमें मैदान पर उतरेंगी। सह-मेजबान बांग्लादेश अपने अभियान की शुरुआत UAE के खिलाफ करेगा। नेपाल की टीम 22 जनवरी को आयरलैंड से भिड़ेगी, जबकि भारतीय टीम भी इसी दिन वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी।

चार मैदानों पर होंगे मुकाबले

वर्ल्ड कप के मैच बांग्लादेश के चट्टोग्राम और सिलहट के अलावा नेपाल की राजधानी काठमांडू में खेले जाएंगे। बांग्लादेश में चट्टोग्राम स्थित बीर श्रेष्ठ शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट मतीउर रहमान क्रिकेट स्टेडियम और सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम मुकाबलों की मेजबानी करेंगे। नेपाल में टीयू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम और अपर मुलपानी इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर मैच आयोजित किए जाएंगे।

टेम्बा बावुमा ने चकनाचूर किया पूर्व भारतीय कप्तान का ऐतिहासिक रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गकेबरहा में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में बावुमा ने मुश्किल हालात में 179 रन की शानदार पारी खेलकर न सिर्फ अपनी टीम को संकट से उबारा, बल्कि एक ऐसा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया, जो भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान के नाम 28 साल से दर्ज था। 36 साल की उम्र में बावुमा ने अपनी इस पारी से कई बड़े रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए।

बारिश के कारण खेल में रुकावट के बाद ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने साउथ अफ्रीका के टॉप आर्डर को बुरी तरह झकझोर दिया था। पहले दिन से ही मेजबान टीम दबाव में थी और दूसरे दिन उसकी हालत और खराब हो गई। साउथ अफ्रीका ने महज 110 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे समय में कप्तान बावुमा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने रयान रिकेल्टन, मार्को यानसन और फिर साइमन हार्मर के साथ अहम साझेदारियां कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। बावुमा की 179 रन की मैराथन पारी तीसरे दिन देर से समाप्त हुई। इसके बाद साउथ अफ्रीका ने 9 विकेट पर 425 रन बनाकर अपनी पहली पारी घोषित कर दी। उनकी इस पारी ने टीम को मुश्किल से निकालने के साथ टेस्ट क्रिकेट में नया मुकाम हासिल कर लिया।

28 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त

बावुमा अब टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 150 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले सबसे उम्रदराज कप्तान बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन को पीछे छोड़ दिया। अजहरुद्दीन ने 1998 में कोलकाता के ईडन गार्डन्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 163 रन बनाए थे। उस समय उनकी उम्र 35 साल और 38 दिन थी। वहीं, बावुमा ने 36 साल और 154 दिन की उम्र में 179 रन की पारी खेलकर यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस लिस्ट में इंग्लैंड के वॉली हैमंड और माइक डेनेस जैसे दिग्गज भी शामिल हैं।

वैभव सूर्यवंशी क्या अभी से हो गए प्लेइंग इलेवन से बाहर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज शुरू होने जा रही है। सीरीज का पहला मुकाबला 22 अक्टूबर गुरुवार को क्राइस्टचर्च में होगा। मैच जब शुरू होगा, उससे पहले पता चलेगा कि टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन इस मैच में क्या रहने वाली है, लेकिन इससे एक दिन पहले ही ऐसा लग रहा है कि पहले मैच में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को मौका मिलना मुश्किल है। साफ साफ तो नहीं, लेकिन कप्तान श्रेयस अय्यर ने इशारों में इस बात को करीब करीब साफ कर दिया है। मैच के दिन अगर उनका मन बदल जाए तो बात अलग है।

टीम इंडिया के युवा और विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पिछले काफी वक्त से टीम इंडिया के साथ घूम रहे हैं, लेकिन उन्हें खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भी उन्हें चुना गया था, लेकिन एक भी मैच में वे प्लेइंग इलेवन में नजर नहीं आए। इस बीच मैच से एक दिन पहले कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि है कि वैभव सूर्यवंशी को अभी प्लेइंग इलेवन में आसानी से जगह नहीं मिल सकती, क्योंकि अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन सलामी बल्लेबाज के रूप में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

वैभव सूर्यवंशी को लेकर क्या बोले कप्तान श्रेयस अय्यर

कप्तान श्रेयस अय्यर ने भारत बनाम न्यूजीलैंड सीरीज से पहले मीडिया से बात की और अपनी बात रखी। इसी दौरान एक सवाल के जवाब में श्रेयस ने कहा कि वैभव को सही समय पर मौके जरूर मिलेंगे। श्रेयस ने कहा कि सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में हमेशा खुश रहें। वह युवा है और उसे



आगे काफी मौके मिलेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि उसे सीधे प्लेइंग इलेवन में जगह मिल जाएगी, क्योंकि हमारे सलामी बल्लेबाज लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्होंने विश्व कप जीता है।

अब तक 8 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल पाए हैं वैभव

वैभव सूर्यवंशी ने इसी साल इंग्लैंड दौरे के दौरान अपना टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था, उसके बाद से लेकर अब तक वे गिने चुने मैच ही खेल पाएंगे, बाकी ड्रेसिंग रूम में ही नजर आते हैं। जब से वैभव टीम इंडिया में आए हैं, तब से लेकर अब तक भारत ने कुल मिलाकर 21 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। लेकिन वैभव केवल आठ ही खेल पाए हैं। एशियन गेम्स के दौरान कप्तान श्रेयस ने वैभव को पारी का आगाज का मौका दिया था, तब संजू सैमसन तीन नंबर पर आए थे, लेकिन वेस्टइंडीज सीरीज के दौरान वैभव को फिर प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया।

व्यापार

सकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते हरे निशान में खुला बाजार

मुंबई (एजेंसी)। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच बुधवार के सत्र में भारतीय शेयर बाजार शानदार बढ़त के साथ हरे निशान में खुला। इस बीच प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों में लगभग एक प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

इस दौरान, सेंसेक्स करीब 700 अंक उछलकर 74,500 के स्तर को पार कर गया, तो वहीं निफ्टी 50 भी 0.80 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त के साथ 23,000 के ऊपर पहुंच गया।

दिन में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 73,852.90 से 485 अंक यानी 0.65 प्रतिशत चढ़कर 74,337.93 के स्तर पर खुला। वहीं एक समय यह 754.76 अंकों यानी 1.02 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,607.66 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 22,888.95 से 127 अंक



यानी 0.55 प्रतिशत उछलकर 23,016.00 पर खुला और दिन के कारोबार में एक समय यह 230.3 अंकों यानी 1 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,119.25 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप 100 में 0.02 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.09 प्रतिशत की गिरावट आई। सेक्टरवार देखें तो सबसे ज्यादा निफ्टी आईटी में 2.3 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। इसके साथ ही निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी सीमेंट और निफ्टी रियल्टी में भी अच्छी बढ़त दर्ज की गई। इसके विपरीत, निफ्टी केमिकल और निफ्टी मीडिया में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। मुद्रा बाजार में, भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 15 पैसे बढ़कर 94.78 पर खुला, जबकि पिछले दिन यह 94.93 के स्तर पर बंद हुआ था।

वैश्विक स्तर पर, एशियाई बाजारों में तेजी देखी गई, जिसमें दक्षिण कोरियाई शेयरों ने सबसे आगे बढ़कर बढ़त दर्ज की।

वॉल स्ट्रीट पर रात भर के दौरान, स्वास्थ्य सेवा शेयरों में बढ़त ने डॉव जोन्स और एसएंडपी 500 सूचकांकों को ऊपर उठाया, जबकि तकनीकी शेयरों ने नैस्डैक सूचकांक को मामूली रूप से नीचे खींच लिया।

इस बीच, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखी गई, वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट तेल 110 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार करता नजर आया।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की संभावना को लेकर बनी आशावादिता से घरेलू बाजार को समर्थन मिल सकता है, लेकिन उच्च कच्चे तेल की कीमतें, वैश्विक बॉन्ड यील्ड में वृद्धि और लगातार भू-राजनीतिक अनिश्चितता निवेशकों के विश्वास पर दबाव डाल रही है, जिससे स्थायी सुधार मुश्किल साबित हो सकता है।

मिडिल ईस्ट तनाव, मजबूत डॉलर और ब्याज दर बढ़ोतरी की आशंका से कीमती धातुओं पर दबाव, सोने-चांदी में 1 प्रतिशत तक की गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव, मजबूत डॉलर, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर बढ़ोतरी की आशंका से सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान, वैश्विक बाजार से लेकर घरेलू कमोडिटी बाजार तक दोनों कीमती धातुएं दबाव में नजर आईं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर बुधवार को सोने और चांदी दोनों में गिरावट देखी गई। खबर लिखे जाने तक सोना 0.23 प्रतिशत कमजोर होकर 4,133 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता नजर आया। वहीं चांदी 1.03 प्रतिशत फिसलकर 57.405 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर ट्रेड कर रही थी।

वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार की कमजोरी का असर भारतीय बाजार पर भी दिखाई दिया। घरेलू बाजार में सोना गिरकर 1.46 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता नजर आया, तो वहीं चांदी 2.09 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई।



मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना खबर लिखे जाने तक करीब 519 रुपए या 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,46,000 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता नजर आया।

दिन के कारोबार में सोना अपने पिछले बंद 1,46,519 रुपए से 0.13 प्रतिशत टूटकर 1,46,328 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, लेकिन बाद में यह 830 रुपए यानी 0.56 प्रतिशत फिसलकर 1,45,689 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

वहीं, एमसीएक्स पर चांदी 2,267 रुपए यानी 1.07 प्रतिशत टूटकर 2,09,218 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती नजर आई। दिन की शुरुआत इसने अपने पिछले बंद 2,11,485 रुपए से 1,085 रुपए यानी 0.51 प्रतिशत गिरकर 2,10,400 रुपए प्रति किलोग्राम पर की। हालांकि दिन के कारोबार में एक समय यह 2,684 रुपए यानी 1.26 प्रतिशत फिसलकर 2,08,801 रुपए प्रति किलोग्राम के निचले स्तर पर पहुंच गई।

विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले सप्ताह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बढ़ी अस्थिरता और क्षेत्रीय तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखा गया था। इसके साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी ऊर्जा के प्रमुख खरीदारों पर लगने वाले अतिरिक्त टैरिफ हटाने के फैसले ने भी वैश्विक कमोडिटी बाजारों का ध्यान आकर्षित किया। ऐसे माहौल में निवेशक सुरक्षित निवेश और ब्याज दरों से जुड़े संकेतों पर करीबी निगाह बनाए हुए हैं।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, निवेशक फिलहाल 27-28 अक्टूबर को होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक का इंतजार कर रहे हैं। अनुमान है कि अक्टूबर में ब्याज दर बढ़ने की संभावना करीब 16 प्रतिशत है, जबकि दिसंबर में दरों में बढ़ोतरी की संभावना लगभग 90 प्रतिशत मानी जा रही है।

मेरठ में 200 करोड़ के निवेश से स्थापित होगी क्रिटिकल मिनरल और रेयर अर्थ रिफाइनरी

लखनऊ (एजेंसी)। मेरठ की डीप टेक स्टार्टअप सर्कुलॉजी क्लींटेक प्राइवेट लिमिटेड ने प्रदेश में करीब 200 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई है। कंपनी ने इन्वेस्ट यूपी के साथ मेरठ में लिथियम-आयन बैटरी और रेयर अर्थ रिफाइनरी स्थापित करने के लिए एमओयू साइन किया है। इस परियोजना से करीब 300 लोगों को प्रत्यक्ष और 1,000 लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

यूपी स्टार्टअप मिशन के सीईओ सुमित महाजन ने बताया कि योगी सरकार स्थानीय उद्यमियों, स्टार्टअप और तकनीक आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने पर जोर दे रही है। इसी दिशा में यूपी स्टार्टअप मिशन के माध्यम से प्रदेश में नए विचारों को व्यावसायिक परियोजनाओं में बदलने और स्टार्टअप को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। मेरठ में प्रस्तावित परियोजना भी प्रदेश के स्थानीय स्टार्टअप को बड़े औद्योगिक निवेश से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नई तकनीक पर आधारित उद्योगों के विकास को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि सर्कुलॉजी की रिफाइनरी चरणबद्ध तरीके से विकसित की जाएगी। पूरी क्षमता पर पहुंचने के बाद इसमें हर साल 10,000 टन सामग्री के प्रसंस्करण की योजना है। रिफाइनरी में इस्तेमाल हो चुकी लिथियम-आयन बैटरियों से



लिथियम, कोबाल्ट और निकेल जैसे महत्वपूर्ण खनिजों को पुनः प्राप्त किया जाएगा। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, हार्ड ड्राइव और इलेक्ट्रिक वाहनों की मोटरों में इस्तेमाल होने वाले पुराने स्थायी चुंबकों से नियोडिमियम, डिस्प्रोसियम और टर्बियम जैसे रेयर अर्थ तत्वों को भी निकाला जाएगा। इन खनिजों का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा क्षेत्र में होता है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी से लेकर आधुनिक तकनीकी उपकरणों और ऊर्जा उत्पादन से जुड़े संयंत्रों तक, इनकी अहम भूमिका है। ऐसे में पुरानी बैटरियों और उपकरणों से इन खनिजों को दोबारा प्राप्त करना संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल के साथ-साथ घरेलू आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने में भी मददगार हो सकता है।

सीईओ ने बताया कि लिथियम, कोबाल्ट और निकेल की घरेलू जरूरतों का लगभग पूरा हिस्सा आयात से पूरा होता है। इसी तरह, रेयर अर्थ चुंबकों की आपूर्ति में भी आयात पर निर्भरता एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में देश के भीतर रीसाइक्लिंग और रिफाइनिंग की क्षमता विकसित करना जरूरी हो गया है। भारत सरकार ने भी महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल्स मिशन के तहत महत्वपूर्ण खनिजों की पूरी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। इसके तहत ई-कचरे और इस्तेमाल हो चुकी बैटरियों से महत्वपूर्ण खनिजों की रीसाइक्लिंग को प्रोत्साहित करने के लिए 1,500 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना भी शामिल है।

इसके अलावा, नवंबर 2025 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत में रेयर अर्थ स्थायी चुंबकों के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 7,280 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना का लक्ष्य सालाना 6,000 टन उत्पादन क्षमता विकसित करना है। सर्कुलॉजी की प्रस्तावित रिफाइनरी से प्राप्त रिसाइकिल्ड खनिज और रेयर अर्थ ऑक्साइड इस तरह की घरेलू औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। मेरठ स्थित सर्कुलॉजी डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त डीप टेक स्टार्टअप है, जो सर्कुलर इकोनॉमी यानी संसाधनों की रिसाइक्लिंग और दोबारा इस्तेमाल पर काम करती है। कंपनी को उत्तर प्रदेश के स्टार्टअप इकोसिस्टम के तहत यूपी स्टार्टअप मिशन से सहयोग मिला है। एमओयू के तहत योगी सरकार आवश्यक स्वीकृतियां और मंजूरियां प्राप्त करने में सुविधा प्रदान करेगी। साथ ही, परियोजना को लागू नियमों के अनुसार केंद्र और राज्य सरकार की प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ दिलाने में भी सहयोग किया जाएगा। करीब 200 करोड़ रुपये की प्रस्तावित परियोजना प्रदेश में उभरते तकनीकी उद्योगों के विस्तार के साथ रोजगार के नए अवसर पैदा करने की संभावना रखती है।

सिरपुर की समृद्ध सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक परिदृश्य अब विश्व में चमकेगा

यूनेस्को की विश्व धरोहर अस्थाई सूची में शामिल

महासमुंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ राज्य के महासमुंद अंतर्गत पुण्य सलिला महानदी के तट पर स्थित सिरपुर का अतीत सांस्कृतिक समृद्धि तथा वास्तुकला के लालित्य से ओतप्रोत सिरपुर अब विश्व के मानचित्र में चमकेगा। यूनेस्को के विश्व धरोहर की संभावित सूची में सिरपुर को शामिल किया गया है। सिरपुर प्राचीन काल में श्रीपुर के नाम से विख्यात रहा है तथ पाण्डुवंशी शासकों के काल में इसे दक्षिण कोसल की राजधानी होने का गौरव प्राप्त रहा है। सिरपुर की प्राचीनता का सर्वप्रथम परिचय शरभपुरीय शासक प्रवरराज तथा महासुदेवराज के ताम्रपत्र से उपलब्ध होता है। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने बताया कि जिले के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक धरोहर सिरपुर को यूनेस्को के विश्व धरोहर की संभावित सूची में शामिल किया गया है। यूनेस्को के आधिकारिक वेबसाइट पर तीसरे क्रम पर सिरपुर को सूचीबद्ध किया गया है। उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा 01 जनवरी 2026 को ऐतिहासिक स्थल सिरपुर के पुरातात्विक स्थलों का अवलोकन किया गया था तत्पश्चात उन्होंने कहा था कि इन स्थलों के संरक्षण और संवर्धन के लिए कार्य किया जाएगा और सिरपुर को यूनेस्को के विश्व धरोहर सूची में शामिल करने प्राथमिकता से प्रयास किया जाएगा। इस दौरान प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, धर्मस्व एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, सांसद श्रीमती रूपकुमारी चैधरी, महासमुंद विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि गण मौजूद थे।

सिरपुर की समृद्ध सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक परिदृश्य

महाशिवगुप्त बालार्जुन के 57 वर्षीय, सुदीर्घ शासनकाल में यहीं अनेक मंदिर, बौद्ध विहार सरोवर तथा उद्यानों का निर्माण करवाया गया। सातवीं सदी ईस्वी में चीन के पर्यटक तथा विद्वान हेनसांग ने सिरपुर की यात्र की थी। उस समय यहाँ लगभग 100 संधाराम थे तथा महायान संप्रदाय के 10000 भिक्षु निवास करते थे। महाशिवगुप्त बालार्जुन ने स्वयं शेवमतावलंबी होते हुए भी बौद्ध विहारों को उदारतापूर्वक प्रचुर दान देकर संरक्षण प्रदान किया था।

लक्ष्मण मंदिर - यह ईंटों से निर्मित भारत के सर्वोत्तम मंदिरों में से एक है। अलंकरण सौंदर्य, मौलिक अभिप्राय तथा निर्माण कौशल की दृष्टि से यह अपूर्व है। लगभग 7 फुट ऊंच पाषाण निर्मित जगती पर स्थित यह मंदिर अत्यंत भव्य है। पंचरथ प्रकार का यह मंदिर गर्भगृह, अंतराल तथा मंडप से युक्त है। मंदिर की बाह्य भित्तियों में कूट द्वारा तथा वातायन आकृति, चैत्य गवाक्ष, भारवाहकगण, गज, कीर्तिमुख एवं कर्ण आमलक आदि अभिप्राय दर्शनीय है। मंदिर का प्रवेश द्वार अत्यंत आकर्षक है। द्वार शीर्ष पर शेषशायी विष्णु प्रदर्शित है। उभय द्वारा शाखा पर विष्णु के प्रमुख अवतार, कृष्ण लीला के दृश्य, अलंकरणात्क प्रतीक, मिथुन दृश्य तथा वैष्णव द्वारपालों का अंकन है। गर्भगृह के भीतर नागराज शेश की बैठी हुई सौम्य प्रतिमा रखी है। लक्ष्मण मंदिर का निर्माण महाशिवगुप्त बालार्जुन की माता वासटा ने अपने दिवंगत पति हर्षगुप्त की स्मृति में करवाया था। माता वासटा मगध के राजा सूर्यवर्मन की पुत्री थी। अभिलेखीय साक्ष्य के आधार पर इस मंदिर का निर्माण काल 650 ईस्वी के लगभग मान्य है।

गंधेश्वर मंदिर - महानदी के तट पर स्थित इस मंदिर का प्राचीन नाम गंधर्वेश्वर था। यह सतत पूजित शिव मंदिर है। इसका निर्माण प्राचीन मंदिरों एवं विहारों से प्राप्त स्थापत्य खण्डों से किया गया है। मंदिर परिसर में अनेक कलात्मक प्रतिमाएं संरक्षित की गई है। द्वार शाखा के विविध दृश्य है। इन्हीं दृश्यों में रावण के शीर्ष पर गर्दभमुख निर्मित है।

बौद्ध विहार- बौद्ध धर्म से संबंधित अवशेषों की दृष्टि से सिरपुर का विशेष महत्व है। उत्खनन कार्य से यहाँ दो बौद्ध विहार के अवशेष प्रकाश में आए हैं। विहारों के निर्माण में मुख्य रूप से ईंटों का उपयोग किया गया है। इन विहारों की तल योजना में गुप्तकालीन मंदिर तथा आवासीय भवन निर्माण कला का सुंदर समन्वय है। विहार में प्रमुख स्थाविर तथा अन्य भिक्षुओं के ध्यान,



अध्ययन-अध्यापन तथा निवास की सुविधा थी। इन विहारों के मुख्य कक्ष में भगवान बुद्ध की भूमिस्पर्श मुद्रा में लगभग साढ़े छः फुट ऊँची प्रतिमा प्रस्थापित है। इनके अतिरिक्त अवलोकितेश्वर तथा मकरवाहिनी गंगा भी मिली है।

यहाँ के प्रमुख विहार से मिले अभिलेख से ज्ञात होता है कि महाशिवगुप्त बालार्जुन के राजत्वकाल

आनंदप्रभु नामक भिक्षु ने इसका निर्माण करवाया था। इस मठ में निवास के लिए 14 कमरे थे। यह विहार दो मंजिला था विहार के सम्मुख तोरणद्वार था, जिसके दोनों ओर द्वारपालों की प्रतिमायें रही है। अभिलेख के आधार पर इस विहार का नामकरण आनंदप्रभु कुटी विहार किया गया है। इसी के सन्निकट एक अन्य ध्वस्त विहार भी उत्खनन से प्रकाश में आया है। तल योजना के आधार पर इसे स्वास्तिक विहार के नाम से जाना जाता है। यहाँ पर भी भूमिस्पर्श मुद्रा में बुद्ध की प्रतिमा प्रस्थापित है। सिरपुर से बौद्ध धर्म से संबंधित पाषाण प्रतिमाओं के अतिरिक्त धातु प्रतिमाएं तथा मृण्मय पुरावशेष भी उपलब्ध हुए है।

राम मंदिर - लक्ष्मण मंदिर से कुछ दूरी पर पूर्व की ओर ईटों से निर्मित एक भग्न तथा जीर्ण-शीर्ण अवशिष्ट है। यह राम मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। इस मंदिर के ऊर्ध्व विन्यास में कोण तथा भुजाओं के संयोजन से निर्मित प्रतिरथ ताराकृति की रचना करते है। इस कलात्मक मंदिर का संपूर्ण शिखर नष्ट हो चुका है तथा भग्नप्राय भित्तियां बच रहे है। लक्ष्मण मंदिर तथा राम मंदिर के निर्माण में कुछ दशकों का अंतराल है।

संग्रहालय- लक्ष्मण मंदिर परिसर में भारतीय पुरातत्वीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा स्थापित संग्रहालय में सिरपुर से प्राप्त अनेक दुर्लभ प्रतिमाएं तथा स्थापत्य खण्ड संरक्षित कर रखी गई है। ये कलाकृतियाँ शैव, वैष्णव, बौद्ध तथा जैन धर्म से संबधित है। एक अंगड़ाई लेती हुई नायिका की 196च्भ् प्रतिमा में सौन्दर्य, अनुराग तथा चपलता का अद्भुत सामंजस्य है। काले पाषाण से निर्मित चतुर्मुख शिवलिंग के प्रशांत मुख पर लास्य के भाव है। उनके कंठ तथा जटा-जूट में मुक्ताहार गुंफित है। केशीवध को प्रदर्शित करती हुई प्रतिमा में कृष्ण तथा अश्व का अंकन अत्यंत प्रभावोत्पादक है। महिषासुरमर्दिनी प्रतिमा में देवी के अनुग्रह तथा संहारक शक्ति की व्यंजना है। इसके अतिरिक्त यहाँ अन्य प्रतिमायें भी प्रदर्शित है, जिनमें नृसिंह, अंबिका, चामुंडा, विष्णु, सुर्य प्रतिमा के भाग, शिशु सहित मातृका, जैन तीर्थकर, दुर्गा, नाग पुरुष तथा बुद्ध विशेष महत्वपूर्ण है। सिरपुर से संग्रहित नाग पुरुष की एक मानवाकार प्रतिमा रायपुर संग्रहालय में भी प्रदर्शित है।

धातु प्रतिमाएं- सातवीं आठवीं सदी ईस्वी में सिरपुर

धातु प्रतिमाओं के निर्माण के केन्द्र के रूप में स्थापित हो चुका था। इस काल में सिरपुर महायान धर्म का प्रसिद्ध केन्द्र था। सिरपुर में सर्वप्रथम 1939 में धातु प्रतिमाओं का भण्डार प्राप्त हुआ था। सिरपुर से प्राप्त धातु प्रतिमाएं रायपुर, नागपुर, नई दिल्ली स्थित संग्रहालयों तथा मुम्बई के भारतीय विद्या भवन में संरक्षित है। सिरपुर से प्राप्त धातु प्रतिमाओं का प्रदर्शन इंग्लैंड, जर्मनी तथा अमेरिका में किया जा चुका है।

सिरपुर की धातु प्रतिमाओं में श्री एवं शील का अद्भुत संतुलन है। यहाँ से प्राप्त धातु प्रतिमाओं में बुद्ध, अवलोकितेश्वर प्रद्मपणि, वज्रपाणि, मंजूश्री, तारा आदि के अतिरिक्त ऋषभनाद तथा विष्णु की धातु प्रतिमाएं भी उपलब्ध हुई है। इन प्रतिमाओं के प्रदीप्त मुख, अर्घ निलिम्ब नेत्र, बरद मुद्रा युक्त हथेली की उंगलियों एवं परिधान की तरंगवत सिलवटों में आध्यात्मिक सौंदर्य के साथ कला का चरमोत्कर्ष व्याप्त है।

उत्खनन - सिरपुर के तिमिराच्छादित अतीत के परतों को अनावृत करने के उद्देश्य से पुरातत्व विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से श्री एम.जी दीक्षित के निर्देशन में उत्खनन कार्य संपादित किया गया था। उत्खनन से यहाँ पर टीले के भीतर दबे हुए दो बौद्ध विहारों को क्रमशः अनावृत किया गया है। इनमें से एक का नाम आनंदप्रभु कुटी विहार तथा दूसरे का स्वास्तिक विहार रखा गया है। सिरपुर के उत्खनन से लगभग 2000 से अधिक वस्तुएं प्राप्त हुई है। उत्खनित वस्तुओं में धातु प्रतिमा, प्रतिमाफलक, आभूषण बनाने के विविध उपकरण, लोहे के अनेक प्रकार के बर्तन, कीलें-ताले, जंजीर, सिलबट्टा, दीपक, पूजा के पात्र, घड़े, मिट्टी के मटके, कांच की चूड़ियां, पकी मिट्टी की मुहरें एवं खिलौने तथा तीन सिक्के भी मिले है। इनमें से एक सिक्का शरभपुरीय शासक प्रसन्नमात्र का है तथा दूसरा कलचुरी शासक रत्नदेव के समय का है। तीसरा सिक्का विशेष महत्वपूर्ण है। यह सिक्का चीनी राजा काई युवान (713 से 741 ईस्वी) के समय का है।

राजमहल अवशेष - सिरपुर में स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के समीप महानदी के तट पर स्थित है। डॉ. अरुण कुमार शर्मा रिटायर्ड सुप्रिन्टेडिंग भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा (2000-01) में किये गये उत्खनन में एक विशाल परिसन के अवशेष उपलब्ध हुए, जिसे उन्होंने राजमहल नाम से अभिहित किया। यहाँ से प्राप्त अवशेषों में भगवान विष्णु एवं लक्ष्मी की प्रतिमाएं महत्वपूर्ण है। वर्ष 2001 से वर्ष 2004 के मध्य सिरपुर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के द्वारा नागार्जुन बोधिसत्व संस्थान मनसर के तत्वावधान में उत्खनन कार्य संपादित किया गया। इस अवधि में निम्नलिखित स्मारक अवशेष अनावृत किये गए।

बौद्ध विहार (तीवर देव महाविहार)- दक्षिण कोसल (छत्तीसगढ़) में अब तक के सबसे बड़े विहार के रूप में परिगणित तीवरदेव बौद्ध विहार डॉ. अरुण कुमार शर्मा (2002-03) के उत्खनन के दौरान प्राप्त हुआ। यह बौद्ध विहार कसडोल जाने वाले मार्ग पर दाहिने ओर लक्ष्मण मंदिर से लगभग 1 कि.मी. पूर्व स्थित है। वस्तुतः यह पूरा क्षेत्र एक बौद्ध सांस्कृतिक संकुल ही है। क्योकि इसी परिसर में अन्य विहार, बौद्ध भिक्षुणी बिहार भी स्थित है। किन्तु तीवर देव महाविहार अपनी विशालता, भव्यता, अद्भुत शिल्प कौशल की दृष्टि से अद्वितीय है। उत्खनन के दौरान प्राप्त अभिलेखीय साक्ष्यों के आधार पर उत्खननकर्ता द्वारा इसे तीवर देव महाविहार के नाम से अभिहित किया गया है। यह बौद्ध महाविहार लगभग 902 वर्ग मी. परिक्षेत्र में निर्मित है।

सुरंग टीला - भूमि स्पर्श मुद्रा में प्रतिमा स्थापित है। बुद्ध के अतिरिक्त गर्भगृह से रत्नसंभव तथा पद्मपाणि की प्रतिमाएं भी प्राप्त हुई थी। गर्भगृह के सामने वाले मण्डप के चारों ओर लगभग 2.25- मी. चैड़ा गलियारा है। इस विहार में जल निकासी के लिए प्रस्तर निर्मित भूमिगत नाली के अवशेष भी प्राप्त हुए है।

बालकोनगर में धूमधाम से मनाया गया विजयादशमी उत्सव



बालकोनगर (दैनंदिनी)। विजयादशमी के पावन अवसर पर बालकोनगर के रामलीला मैदान में बालको सार्वजनिक विजयादशमी समिति द्वारा भव्य उत्सव का आयोजन किया गया। भगवान श्रीराम, माता सीता एवं हनुमान जी की आकर्षक झांकियों, रामलीला मंचन और रावण-दहन कार्यक्रम ने उत्सव को विशेष बना दिया। इस अवसर पर बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक श्री राजेश सिंह ने रावण-दहन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बालकोनगर और आसपास के क्षेत्रों के लोग शामिल हुए।

उत्सव की शुरुआत पूजा-अर्चना के साथ हुई। इस अवसर पर भगवान श्रीराम की आराधना कर कंपनी, कर्मचारियों और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं निरंतर प्रगति की कामना की गई। बीते दिनों हुए रामलीला की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों और मर्यादा का संदेश दिया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रावण-दहन रहा। श्री राजेश कुमार सिंह द्वारा रावण-दहन किए जाने के साथ ही मैदान में उपस्थित लोगों ने असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक इस पर्व को उत्साहपूर्वक मनाया।

बालकोनगर का सार्वजनिक विजयादशमी उत्सव 49 वर्षों से क्षेत्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। यह आयोजन धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ लोगों के बीच एकता, आपसी सौहार्द और सामुदायिक सहभागिता को भी बढ़ावा देता है।

बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत शुरू, 154 किलोमीटर मार्गों पर होगा बीटी पैच कार्य

कोरबा। तेज बारिश से जिले की कई महत्वपूर्ण सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। लोगों को आवागमन में परेशानी न हो और यात्रा सुरक्षित बने, इसके लिए लोक निर्माण विभाग ने मरम्मत कार्य शुरू कर दिया है। जिले में लगभग 154 किलोमीटर लंबाई की सड़कों पर बीटी पैच कार्य कराया जाएगा। इसके लिए कुल 280.05 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

लोक निर्माण विभाग के मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराने तथा कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। स्वीकृति मिलने के बाद कई कार्यों के कार्यादेश जारी कर काम शुरू कराया गया है, ताकि लोगों को जल्द राहत मिल सके।



जिले के चार उपसंभागों में बीटी पैच कार्य के लिए राशि स्वीकृत की गई है। कटघोरा उपसंभाग क्रमांक-1 के लिए 50 लाख रुपये, कटघोरा उपसंभाग क्रमांक-2 के लिए 50.05 लाख रुपये, कोरबा उपसंभाग के लिए 105 लाख रुपये तथा भैसमा उपसंभाग के लिए 75 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

उरगा-चांपा, कोरबा, सीपत-बलौदा-हाटी, रामपुर-बेहरचुआ-नोनबिर्रा और कुदमुरा-श्यांग मार्गों सहित कई महत्वपूर्ण सड़कों पर मरम्मत कार्य किया जा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत विश्रामपुरी में अक्षमता एवं विकृति सुधार शिविर आयोजित



कोंडागांव। सेवा संकल्प अभियान के तहत विकासखंड विश्रामपुरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अक्षमता एवं विकृति सुधार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुष्ठ रोग से प्रभावित 10 मरीजों को शारीरिक अक्षमता एवं विकृति से बचाव के लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही उन्हें एमसीआर (माइक्रो सेलुलर रबर) चप्पल और सेल्फ केयर किट वितरित की गई।

शिविर का आयोजन कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. हरेंद्र बघेल के निर्देशन में किया गया। जिले में कुष्ठ रोग उन्मूलन संबंधी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सीएमएचओ कार्यालय के एनएमए लोकेश सोनी के प्रयासों से शिविर का सुव्यवस्थित आयोजन किया गया।

शिविर में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुराग भारती ने मरीजों को एमसीआर चप्पल एवं सेल्फ केयर किट वितरित की। उन्होंने मरीजों को किट के सही उपयोग, नियमित स्व-देखभाल और आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी। साथ ही बताया कि नियमित देखभाल और समय पर आवश्यक उपाय अपनाकर कुष्ठ रोग से होने वाली शारीरिक अक्षमता एवं विकृति के जोखिम को कम किया जा सकता है।

शिविर के सफल आयोजन में ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर, सेक्टर सुपरवाइजर श्रवण साहू तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारी-कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा। इस पहल का उद्देश्य कुष्ठ रोग से प्रभावित मरीजों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के साथ उन्हें नियमित देखभाल के प्रति जागरूक करना है।

जिले में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की जर्जर इमारत : कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

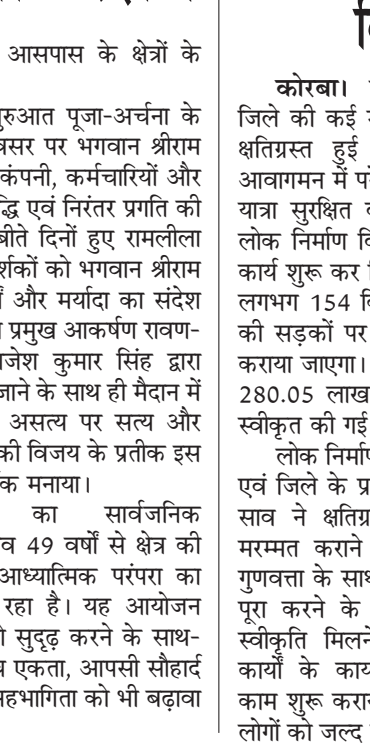
रात के वक्त छत का प्लास्टर गिरने से टली बड़ी अनहोनी

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले के दल्ली राजहरा और चिखलाकसा सहित आसपास के दर्जनों ग्रामीण क्षेत्रों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का मुख्य केंद्र बना शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिखलाकसा इन दिनों भारी बदहाली का शिकार है।

अस्पताल का भवन इतना जर्जर हो चुका है कि यह कभी भी किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकता है। हाल ही में यहाँ एक बड़ा हादसा टल गया, जब रात के सन्नाटे में अस्पताल के ड्रेसिंग रूम की छत का एक बड़ा हिस्सा अचानक भरभराकर नीचे आ गिरा। इस घटना ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना 19 अक्टूबर की रात लगभग 10 बजे घटी। अस्पताल के ड्रेसिंग रूम की छत का प्लास्टर अचानक टूटकर नीचे आ गिरा। गनीमत यह रही कि यह घटना रात के समय हुई, जब अस्पताल में मरीजों की आवाजाही कम थी। इस दुर्घटना के वक्त ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्यकर्मी बाल-बाल बच गए।

यदि यही हादसा दिन के समय हुआ होता, जब ड्रेसिंग रूम में घायलों और मरीजों की लंबी कतारें लगी होती हैं, तो परिणाम बेहद भयानक हो सकते थे। दिन में इस प्रकार की दुर्घटना होने पर कई मरीजों और अस्पताल के कर्मचारियों को गंभीर चोटें आ सकती थीं। इस घटना के बाद से ड्यूटी पर तैनात स्टाफ और इलाज के लिए आने वाले लोगों में लगातार



दहशत का माहौल बना हुआ है।

यह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केवल चिखलाकसा के स्थानीय लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि दल्ली राजहरा शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों के हजारों नागरिकों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं का एकमात्र बड़ा सहारा है। यहाँ रोजाना बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुँचते हैं।

हालाँकि, प्रशासनिक उदासीनता के चलते भवन की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। अस्पताल की दीवारों का प्लास्टर जगह-जगह से उखड़ चुका है, दीवारों और मुख्य बीम में बड़ी-बड़ी दरारें साफ नजर आती हैं। सीलन और नमी के कारण छत का सरिया बाहर निकल आया है, और बरसात के दिनों में तो पूरी छत से पानी टपकता है। ऐसी खतरनाक परिस्थितियों में मरीजों और डॉक्टरों को अपनी जान हथेली पर रखकर इलाज करना पड़ रहा है।

इस खतरनाक घटना के सामने आने के बाद स्थानीय ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों तथा अस्पताल के कर्मचारियों में स्वास्थ्य विभाग के प्रति भारी गुस्सा देखा जा रहा है। लोगों का आरोप है कि जर्जर भवन की इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित और मौखिक रूप से अवगत कराया गया है, लेकिन हर बार केवल कोरे आश्वासन ही मिले हैं।

क्षेत्र के नागरिकों ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों से पुरजोर मांग की है कि किसी बड़ी जनहानि के होने का इंतजार किए बिना, इस जर्जर भवन का तत्काल निरीक्षण किया जाए। साथ ही, मरीजों और चिकित्सा स्टाफ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य कराया जाए या फिर एक नए भवन के निर्माण की स्वीकृति जल्द से जल्द दी जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित माहौल में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकें।

चिखलाकसा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र काफी पुराना है वही रिपेयर के लिए पूर्व में ही इस संबंध में उच्च अधिकारियों को सूचित किया जा चुका है। समिति गठित कर जल्द ही समाधान निकाला जाएगा।

- डॉ. विजय ठाकुर,
बीएमओ, स्वास्थ्य विभाग, डौंडी

विजयादशमी सत्य और धर्म की विजय का पर्व, अपने भीतर की बुराइयों पर विजय पाकर प्रेम और सद्भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है : साय

बिलाईगढ़ के ऐतिहासिक राजशाही दशहरा उत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, क्षेत्र के विकास के लिए की पांच महत्वपूर्ण घोषणाएं

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज सारंगढ़ - बिलाईगढ़ जिले के नगर पंचायत बिलाईगढ़ के रैनीभाठा में आयोजित ऐतिहासिक राजशाही दशहरा उत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए बिलाईगढ़ के विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए पांच महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने बिलाईगढ़ में अपर कलेक्टर कार्यालय खोलने, बस स्टैंड से हायर सेकेंडरी स्कूल तक तीन करोड़ रुपए की लागत से गौरव पथ निर्माण, राजमहल जाने वाले मार्ग पर पुल निर्माण, नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 15 में मुक्तिधाम तथा मां समलाई माता मंदिर के समीप डोम शेड निर्माण की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इन विकास कार्यों से बिलाईगढ़ में प्रशासनिक सुविधाओं के विस्तार के साथ नगरीय अधोसंरचना और जनसुविधाएं सुदृढ़ होंगी। अपर कलेक्टर कार्यालय खुलने से क्षेत्रवासियों को अपने प्रशासनिक कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और स्थानीय स्तर पर समस्याओं के त्वरित निराकरण में सुविधा होगी। तीन करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला गौरव पथ नगर की सुंदरता बढ़ाने के साथ आवागमन को बेहतर बनाएगा। इसी तरह राजमहल मार्ग पर पुल, मुक्तिधाम और



डोम शेड का निर्माण स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान श्रीराम, माता सीता, पवनपुत्र हनुमान, मां जगदंबा, भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के जयकारों के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि बिलाईगढ़ का ऐतिहासिक राजशाही दशहरा केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता की जीवंत अभिव्यक्ति है। राजपरिवार ने पीढ़ियों से इस गौरवशाली परंपरा को सहेजकर रखा है और आज भी क्षेत्रवासी उसी श्रद्धा और उत्साह के साथ इसमें सहभागी होते हैं। उन्होंने इस परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए राजपरिवार, आयोजन समिति और बिलाईगढ़वासियों को बधाई दी तथा आत्मीय स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विजयादशमी अधर्म पर धर्म, अन्याय पर न्याय और असत्य पर सत्य की विजय का शाश्वत संदेश देती है। भगवान श्रीराम ने इसी दिन अहंकारी और अत्याचारी रावण का अंत कर धर्म की स्थापना की थी। हम हर वर्ष रावण के पुतले का दहन करते हैं, लेकिन विजयादशमी की वास्तविक सार्थकता तब है, जब हम अपने भीतर के काम, क्रोध, मद, लोभ और अहंकार रूपी रावण का भी अंत करें। प्रभु श्रीराम के आदर्श हमें मर्यादा, कर्तव्य, न्याय और लोककल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करना ही इस महापर्व का सच्चा संदेश है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भगवान श्रीराम और छत्तीसगढ़ का संबंध अत्यंत आत्मीय और प्राचीन है। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की जन्मभूमि और प्रभु श्रीराम का ननिहाल है। वनवास के दौरान प्रभु श्रीराम ने लंबा समय छत्तीसगढ़ के दंडकारण्य क्षेत्र में व्यतीत किया। शिवरीनारायण में माता शबरी की भक्ति और राजिम का पवित्र त्रिवेणी संगम हमारी इसी समृद्ध आध्यात्मिक विरासत के प्रतीक हैं।



यादव समाज ने घेरा पुरानी बस्ती थाना

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती स्थित 250 पुराने शीतला मंदिर में नवरात्र के दौरान लगे आपत्तिजनक सूचना बोर्ड का विवाद जारी है. मामले में शिकायत के बाद बुधवार को आक्रोशित यादव समाज ने पुरानी बस्ती थाना का घेराव किया. इस दौरान जमकर नारेबाजी भी की गई. पुलिस ने समाज के आक्रोश के बीच पीठाधीश नीरज सैनी एफआईआर दर्ज कर ली है. दरअसल, शीतला माता मंदिर परिसर में लगे सूचना बोर्ड पर लिखा गया था कि "ठग रौताइनों से सावधान, जल चढ़ाने हेतु किसी भी रौताइन को रुपये न दें". यादव समाज का आरोप है कि इस तरह के शब्दों से समाज की महिलाओं का अपमान हुआ है और इससे पूरे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं. समाज के लोगों ने मांग की है कि सूचना बोर्ड से इस तरह के आपत्तिजनक शब्दों को हटाया जाए.इससे पहले 17 अक्टूबर को भी यादव समाज ने नाराजगी जताते हुए पुरानी बस्ती थाना पहुंचा था, जहां घटना के संबंध में शिकायत दी गई थी. समाज ने मंदिर परिसर के सूचना बोर्ड पर लिखे कथित आपत्तिजनक शब्दों को समाज की महिलाओं के सम्मान से जुड़ा मामला बताया था.कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव ने सोशल मीडिया पर मामले को लेकर पोस्ट किया था. इसमें उन्होंने कहा कि "एक तरफ नवरात्र में मां भगवती की पूजा हो रही है दूसरी तरफ संपूर्ण यादव राउत समाज की अस्मिता हमारी माताओं बहनों को जातीसूचक शब्द का प्रयोग कर उन्हें ठग बतलाया जा रहा है. रायपुर के शीतला मंदिर के व्यवस्थापक/पुजारी द्वारा लगाए गए ऐसे पोस्टर से पूरा समाज आहत हुआ है. यह हरकत अक्षम्य है! शासन प्रशासन से अपील करता हूं कि जिसने भी यह कृत्य किया है उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही हो.

घटना को लेकर यादव समाज ने कुछ दिन पहले पुलिस में शिकायत देकर एफआईआर की मांग की थी. बढ़ती नाराजगी के इस बीच बुधवार को प्रदेश अध्यक्ष सुधीर यादव के साथ यादव समाज के लोगों ने पुरानी बस्ती थाना का घेराव कर दिया. इस दौरान जमकर नारेबाजी भी की गई. अब मामले में पुलिस ने शीतला मंदिर के पीठाधीश नीरज सैनी के खिलाफ बीएनएस की धारा 196 (2) के तहत एफआईआर दर्ज कर लिया है.

91 रन की आक्रामक पारी के बाद छलके आंसू

रायपुर ■ दैनन्दिनी



भारतीय बल्लेबाज हरमनप्रीत कौर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में अपने बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 41 गेंदों पर नाबाद 91 रन की पारी खेली और भारत को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, मैच के बाद चर्चा सिर्फ उनकी बल्लेबाजी की नहीं रही। अपनी पारी का श्रेय बल्लेबाजी कोच हिमांशु को देते समय हरमनप्रीत भावुक हो गईं। इंटरव्यू के दौरान उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े और वह बातचीत बीच में ही छोड़कर चली गईं। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए इस मुकाबले में हरमनप्रीत ने जिम्बाब्वे के गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने अपनी पारी में 10 चौके और 5 छक्के लगाए। महज 25 गेंदों में अर्धशतक पूरा करने वाली हरमनप्रीत आखिर तक क्रीज पर टिकी रहीं। उनकी नाबाद 91 रन की पारी की बदौलत भारतीय टीम ने 7 विकेट पर 216 रन बनाए। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पहली गेंद पर चौके से मिला आत्मविश्वास-मैच के बाद पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में हरमनप्रीत ने अपनी पारी की रणनीति के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी करते हुए उन्हें काफी मजा आया। वह मैदान पर अपने खेल का आनंद लेना चाहती हैं और उनके लिए सबसे अच्छी बात यह रही कि इस बार रन भी बने। अपनी पारी के शुरुआती पल को याद करते हुए हरमनप्रीत ने बताया कि पहली गेंद पर चौका लगाने के बाद उन्हें अंदाजा हो गया था कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी है। इस शॉट से उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने उसी अंदाज में खेलना जारी रखने का फैसला किया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और तेजी से रन बनाती रहीं। हरमनप्रीत ने अपनी बल्लेबाजी में बैट स्विंग को अहम बताया। उनका मानना है कि यह उनकी सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। वह नेट्स में लगातार इसका अभ्यास करना चाहती हैं, ताकि मैच के दौरान भी उसी लय में बल्लेबाजी कर सकें।

कोच हिमांशु को दिया पारी का श्रेय-हरमनप्रीत के इंटरव्यू का सबसे भावुक पल तब आया, जब उन्होंने अपनी बल्लेबाजी में सुधार का श्रेय कोच हिमांशु को दिया। उन्होंने कहा कि वह हिमांशु भैया को धन्यवाद देना चाहती हैं, जो उनकी बल्लेबाजी पर काफी मेहनत कर रहे हैं। हरमनप्रीत के मुताबिक, कोच चाहते हैं कि वह अभ्यास के दौरान भी वैसा ही दबाव महसूस करें, जैसा मैच में होता है। इससे उन्हें मुकाबले की परिस्थितियों के लिए खुद को तैयार करने में मदद मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि अब उन्हें दबाव महसूस नहीं होता, बल्कि वह मैदान पर अपने खेल का आनंद लेना चाहती हैं। कोच की मेहनत का जिक्र करते हुए हरमनप्रीत भावुक हो गईं। उनकी आवाज भर्रा गई और आंखों से आंसू छलकने लगे। इसके बाद वह माइक फेंककर इंटरव्यू बीच में ही खत्म करते हुए वहां से चली गईं।

कप्तानी से हटने के बाद बड़ी पारी

कप्तानी से हटने के बाद हरमनप्रीत कौर की 91 रनों की नाबाद पारी सिर्फ एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि खराब फॉर्म से उबरने की उनकी कोशिश का भी संकेत है। जिम्बाब्वे के खिलाफ उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने जहां भारतीय टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया, वहीं कोच हिमांशु के प्रति उनका भावुक होना उनके संघर्ष और कोच के साथ जुड़ाव को भी दर्शाता है। अब इस शानदार प्रदर्शन के बाद सभी की निगाहें हरमनप्रीत पर होंगी कि वह आने वाले मुकाबलों में भी अपनी इस लय को बरकरार रख पाती हैं या नहीं।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नंदनमारा के पास मंगलवार रात हुए सड़क हादसे में दो युवकों की मौत के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। घटना से नाराज ग्रामीणों ने बुधवार सुबह बाईपास मार्ग पर चक्काजाम कर दिया।

साय के नेतृत्व में जशपुर में खेल अधोसंरचना का विस्तार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री श्री साय के गृह जिले जशपुर में 3 करोड़ 52 लाख रुपये की लागत से निर्मित मल्टीपरपज इंडोर बास्केटबॉल स्टेडियम खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा के रूप में विकसित



हुआ है। आधुनिक खेल अधोसंरचना के विस्तार से जिले के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने, नियमित अभ्यास करने और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 28 मार्च 2026 को जशपुर प्रवास के दौरान इस मल्टीपरपज इंडोर बास्केटबॉल स्टेडियम का शुभारंभ किया था। स्टेडियम के निर्माण से जिले के खिलाड़ियों को विभिन्न इनडोर खेलों के अभ्यास के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध हुआ है। विशेष रूप से ग्रामीण और जनजातीय अंचलों से आने वाले प्रतिभावान खिलाड़ियों के लिए यह खेल परिसर अपनी क्षमताओं को विकसित करने और प्रतिस्पर्धात्मक खेलों की तैयारी करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। जशपुर में निर्मित मल्टीपरपज इंडोर बास्केटबॉल स्टेडियम में खिलाड़ियों को बास्केटबॉल के साथ शतरंज, कैरम और टेबल टेनिस जैसे खेलों के अभ्यास की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे विभिन्न खेल विधाओं में रुचि रखने वाले बच्चों और युवाओं को अपनी पसंद के खेल में नियमित अभ्यास करने और कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा। इनडोर स्टेडियम की सुविधा से खिलाड़ियों को मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अभ्यास जारी रखने में सहूलियत होगी। बास्केटबॉल जैसे खेलों में शारीरिक क्षमता, गति और टीम भावना विकसित होती है, वहीं शतरंज, कैरम और टेबल टेनिस जैसे खेल एकाग्रता, रणनीतिक सोच और मानसिक दक्षता को बढ़ावा देते हैं। एक ही परिसर में विभिन्न खेलों की सुविधाएं उपलब्ध होने से जिले में खेल गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। जशपुर जिले में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। यहां के बच्चे और युवा क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी, बास्केटबॉल और टेबल टेनिस सहित विभिन्न खेलों में रुचि रखते हैं। इन प्रतिभाओं को बेहतर खेल अधोसंरचना और नियमित अभ्यास के अवसर उपलब्ध कराना उनके खेल कौशल को विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मल्टीपरपज इंडोर स्टेडियम से स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा निखारने और जिला, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी करने में मदद मिलेगी। विशेष रूप से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान बच्चों और युवाओं को खेलों से जोड़ने तथा उनमें प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करने के लिए यह सुविधा उपयोगी साबित होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में खेलों को मिल रहा प्रोत्साहन-मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के साथ खेल अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ना, उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाना और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। जशपुर में 3.52 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मल्टीपरपज इंडोर बास्केटबॉल स्टेडियम इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे जिले में खेलों के प्रति युवाओं की रुचि बढ़ने के साथ नियमित अभ्यास की संस्कृति को प्रोत्साहन मिलेगा। आधुनिक खेल सुविधाओं की उपलब्धता से आने वाले समय में जशपुर के खिलाड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर सकेंगे।

छत्तीसगढ़ में रात का तापमान लुढ़कना शुरू

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ के मौसम में बदलाव का दौर जारी है। अब धीरे-धीरे ठंड दस्तक देने लगी है। न्यूनतम तापमान में कमी आने का सिलसिला शुरू हो गया है। द्रोणिका का प्रभाव खत्म होने की वजह से आसमान साफ होने लगा है। इसके प्रभाव से रात का मौसम बदले लगा है। जगदलपुर छोड़कर शेष इलाकों में तापमान सामान्य से कम दर्ज हुआ। पिछले 24 घंटे में बिलासपुर में चार डिग्री तो राजधानी में 2 डिग्री सेल्सियस तक न्यूनतम तापमान में गिरावट हुई।

मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है। बताया गया कि न्यूनतम तापमान में अगले 2 दिनों तक कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं। इसके बाद 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक की गिरवाट आ सकती है।

आज कैसा रहेगा मौसम

राजधानी रायपुर में आज मौसम विभाग के मुताबिक मौसम साफ रहने की संभावना है. दिन के वक्त गर्मी का अहसास हो सकता है। अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस के करीब रह सकता है।

प्रदेश में राजधानी फिर सबसे गर्म

बीते कुछ दिनों से रायपुर लगातार प्रदेश में सबसे गर्म शहर बना हुआ है। मंगलवार को यहां सबसे अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 15.4 डिग्री सेल्सियस रहा. पिछले 24 घंटों में प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहा।

2 दिन बाद तापमान में गिरावट के आसार

मौसम विभाग ने आज मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है। कहीं भी कोई चेतावनी नहीं जारी की गई। अगले दो दिनों मौसम में मुख्य तौर पर ज्यादा बदलाव की आशंका नहीं है। इसके बाद बादलों के छटने से रात के वक्त ठंडक का अहसास हो सकता है। न्यूनतम तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज हो सकती है।

मौसमी गतिविधियां

मौसम विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी और तमिलनाडु तट पर चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है। बुधवार को यह इसी क्षेत्र में लो प्रेशर एरिया में तबदील हो सकता है. वहीं एक द्रोणिका भी बनी हुई है।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में सजेगा छत्तीसगढ़ का भव्य पवेलियन

रायपुर ■ दैनन्दिनी

नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आगामी 14 से 27 नवंबर 2026 तक आयोजित होने वाले 45 वें 'भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले' में छत्तीसगढ़ की भागीदारी को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसे लेकर आज मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य सचिव ने व्यापार मेले के दौरान छत्तीसगढ़ पवेलियन के निर्माण, सुरक्षा, ब्रांडिंग और अन्य व्यवस्थाओं को समय-सीमा के भीतर पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा करने के कड़े निर्देश दिए हैं। इस वर्ष इस प्रतिष्ठित मेले की थीम 'विकास और विरासत' रखी गई है, जो देश की आधुनिक प्रगति और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के सुंदर तालमेल को प्रदर्शित करती है।

इन प्रमुख बिंदुओं पर रहेगा विशेष फोकस-हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को मंच मुख्य सचिव ने कहा कि यह व्यापार मेला छत्तीसगढ़ के हस्तशिल्पियों, स्व-सहायता समूहों और उद्यमियों के लिए अपनी कला और उत्पादों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का एक बड़ा मंच है। मुख्य सचिव ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ पवेलियन में कृषि, मिलेट और वनोपज का प्रदर्शन कृषि एवं किसान कल्याण तथा उद्यानिकी विभाग को छत्तीसगढ़ के प्रमुख मिलेट उत्पादों-कोदो, कुटकी, रागी और अन्य विशिष्ट उत्पादों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को लघु वनोपज संघ के माध्यम से छत्तीसगढ़ हर्बल उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय की पुख्ता व्यवस्था



करने को कहा गया है।

औद्योगिक नीतियों और पर्यटन का प्रचार-वाणिज्य एवं उद्योग विभाग (जो इस पवेलियन का नोडल विभाग है) को 'नवीन औद्योगिक विकास नीति 2024-2030' एवं विभिन्न निवेश योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, पर्यटन विभाग को राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी और संस्कृति विभाग को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

ग्रामोद्योग और हथकरघा-ग्रामोद्योग विभाग के अंतर्गत हथकरघा बुनकर सहकारी संघ और 'शबरी' के माध्यम से हस्तशिल्प उत्पादों के प्रदर्शन व बिक्री की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने ग्रामोद्योग विभाग के अधिकारियों को हथकरघा बुनकर सहकारी संघ एवं शबरी के माध्यम से उत्पाद प्रदर्शन एवं विक्रय हेतु हस्तशिल्पियों द्वारा प्रदर्शन किए जाने के लिए विभागीय तैयारियों की जानकारी ली।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और राज्य दिवस का आयोजन-मेले के दौरान छत्तीसगढ़ पवेलियन में आयोजित होने वाले 'राज्य दिवस' के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रदेश के लोक कलाकारों द्वारा जीवंत प्रदर्शन की तैयारियाँ अभी से शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि मेले में छत्तीसगढ़ की उत्कृष्ट कला, संस्कृति, हस्तशिल्प और औद्योगिक विकास की झलक अत्यंत प्रभावी ढंग से प्रस्तुत हो।

मेले की तिथियां और समय-14 नवंबर से 27 नवंबर 2026 तक मेला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 14 नवंबर से 18 नवंबर 2026 विशेष रूप से व्यापारिक एवं व्यावसायिक आगंतुकों के लिए आरक्षित है। आम जनता के लिए यह मेला 27 नवंबर 2026 तक खुला रहेगा। समीक्षा बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री अरुण पाण्डेय, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव श्री रजत कुमार, वित्त एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, संचालक जनसंपर्क श्री आशीष टिकरिया, सीएसआईडीसी के प्रबंध संचालक श्री विश्वेश कुमार सहित वाणिज्य एवं उद्योग तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com